jantarangpathdoot@gmail.com

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जनतरंग पथदूत

निष्पक्ष खबरें, सही राह

वर्ष : 01, अंक : 05 | रांची, मंगलवार 01 सितंबर, 2026 | पृष्ठः 12 | मूल्य : 04 ₹ | PRGI. No. : JHHIN/26/A6391

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की मुलाकात पश्चिम एशिया में तनाव पर जताई चिंता

बिश्केक में एससीओ समिट में मिले

एजेंसी। बिश्केक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंधों के साथ-साथ पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रम और तेजी से बदलती क्षेत्रीय स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत के इस निरंतर रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मोदी ने नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी रेखांकित की। प्रधानमंत्री ने बहुपक्षीय संगठनों, विशेष रूप से ब्रिक्स और एससीओ में ईरान के साथ भारत के करीबी सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने राष्ट्रपति पेजेश्कियन को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि वह उनकी भारत यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान से भी मुलाकात की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए इसे शानदार मुलाकात बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और आर्मेनिया के बीच रक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा और फार्मास्यूटिकल्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आने वाले समय में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को भी और मजबूत किया जाएगा।

पीएम मोदी ने बिश्केक में महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि भारत से जुड़ाव रखने वाले लोगों से भी की मुलाकात

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचारों का हमारे मन-मस्तिष्क पर हमेशा अद्वितीय प्रभाव रहेगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि उन्होंने ऐसे लोगों के एक समूह से मुलाकात की, जिनका भारत के साथ गहरा जुड़ाव है। इनमें प्रमुख भारतीय प्रवासी, पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग, योग साधक, शिक्षाविद, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के पूर्व छात्र तथा शोधकर्ता शामिल थे। मोदी ने भारत के साथ इस निरंतर जुड़ाव पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से एक योग साधक का उल्लेख किया, जो वर्ष 2026 में अहमदाबाद में आयोजित पहले विश्व योगासन चैंपियनशिप में शामिल हुआ था और वहां पदक जीता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ओर से योग को दुनियाभर में बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच इस तरह का जुड़ाव उत्साहजनक है। मोदी इस समय किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव के निमंत्रण पर 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए किर्गिस्तान की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जी की प्रतिमा का अनावरण वर्ष 2015 में किया था।

आहर में समा गई दो मासूम जिंदगियां, सगे भाई-बहन की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

गौरी शंकर सिंह। जनतरंग पथदूत संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के मुनकेरी गांव के समीप बरवाटांड़ में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसे में सगे भाई-बहन की आहर में डूबने से मौत हो गई। हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। मृतकों की पहचान मुनकेरी निवासी रहमत अली की 12 वर्षीय पुत्री सना परवीन और 10 वर्षीय पुत्र अवैस रजा के रूप में हुई है। घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे की बताई जाती है। परिजन बरवाटांड़ स्थित अपने खेत में धान की रोपनी के कार्य में जुटे थे। इसी दौरान दोनों बच्चे खेलते-खेलते खेत के समीप स्थित आहर में नहाने चले गए। नहाने के दौरान अचानक पैर फिसल जाने से दोनों गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूब गए। बच्चों को पानी में डूबता देखकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने शोर मचाया। शोर सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आहर में उतरकर दोनों बच्चों की तलाश शुरू कर दी। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने दोनों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोनों मासूमों की सांसें थम चुकी थीं। बच्चों के आहर में जाने की जानकारी परिजनों को नहीं थी। ग्रामीणों के शोर की आवाज सुनकर जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और अपने दोनों बच्चों को मृत अवस्था में देखा तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। एक साथ दो मासूम बच्चों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन दोनों को तत्काल छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर थाना पुलिस अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच, मेदिनीनगर भेज दिया। एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की मौत से मुनकेरी गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिस आहर के किनारे कुछ देर पहले तक बच्चों की जिंदगी और खेल की आहट थी, वहीं हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। मुखिया प्रतिनिधि जहीर अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त समाचार

राजनाथ ने नेपाली दूतावास पहुंचकर बाढ़ से हुई जनधन की हानि पर दुख जताया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेपाली दूतावास पहुंचकर नेपाल में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जन-धन की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। दूतावास में रखी शोक पुस्तिका में हस्ताक्षर करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने भारत सरकार और भारतीय जनता की ओर से नेपाल सरकार तथा समस्त नेपाली जनता के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा ने नेपाली नागरिकों के साथ-साथ भारतीय और अन्य विदेशी नागरिकों को भी प्रभावित किया है।अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर उन्होंने लिखा, "इस आपदा में जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए हमारी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं हैं। साथ ही हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। नेपाल और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारत हमेशा नेपाल के 'सुख-दुख का साथी' रहा है। उन्होंने कहा, "एक करीबी मित्र और साझेदार के रूप में भारत हमेशा नेपाल के साथ खड़ा रहा है।

प्रणब बाबू ने राजनीति के जरिए राष्ट्र और समाज की अनुकरणीय सेवा की

नई दिल्ली। भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के स्मृति दिवस पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर लिखा, लोकप्रिय राजनेता, प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सार्वजनिक जीवन में शुचिता, पारदर्शिता एवं स्पष्टवादिता की प्रतिमूर्ति रहे प्रणब बाबू ने राजनीति के जरिए राष्ट्र और समाज की जो अनुकरणीय सेवा की है, वह सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने एक्स पर लिखा- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पित जीवन, दूरदर्शी नेतृत्व और सार्वजनिक जीवन में उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने लिखा- देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्रसेवा के प्रति उनका समर्पण, दीर्घ राजनीतिक अनुभव और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पोस्ट में लिखा- भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन।

25 साल बाद सुलझा सोन नदी विवाद, बिहार-झारखंड में समझौता

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में हुआ फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

- 7.75 मिलियन एकड़ फीट पानी में से बिहार को 5.57 एमएएफ और 2 एमएएफ पानी झारखंड को मिलेगा
- बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रहे मौजूद
- 26 साल पुराना विवाद सुलझा, बंटवारे के बाद शुरू हुआ था पानी का विवाद

सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर बिहार और झारखंड के बीच सहमति बन गई है। समझौते के अनुसार 7.75 मिलियन एकड़ फीट पानी में से बिहार को 5.57 एमएएफ और 2 एमएएफ पानी झारखंड को मिलेगा। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में दोनों राज्यों के बीच जल बंटवारे पर सहमति बन गई है। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रहे। दरअसल, सोन नदी के जल बंटवारे की कहानी 1973 से शुरू होती है। तब बाणसागर परियोजना के तहत मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अविभाजित बिहार के बीच समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत संयुक्त बिहार को कुल 7.75 मिलियन एकड़ फीट पानी आवंटित किया गया था। तब झारखंड बिहार का ही हिस्सा था, इसलिए पूरा हिस्सा बिहार के नाम पर था। लेकिन, बिहार के झारखंड से अलग होते ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया जो करीब ढाई दशक तक बदस्तूर चलता रहा। साल 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड नया राज्य बना तो इसके बाद झारखंड ने सोन नदी के पानी में अपनी हिस्सेदारी की मांग शुरू कर दी। झारखंड का तर्क था कि सोन नदी का उद्गम और बड़ा कैचमेंट उसके क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए। वहीं बिहार 1973 के समझौते का हवाला देकर पूरा 7.75 एमएएफ पानी अपने पास रखना चाहता था। इसी वजह से बिहार की महत्वाकांक्षी इंद्रपुरी जलाशय परियोजना पर झारखंड एनओसी नहीं दे रहा था और परियोजना 53 साल से लटकी हुई थी।

पहले रांची में बनी थी सहमतिः हालांकि, इस विवाद को सुलझाने के लिए बीते वर्ष 2025 में 10 जुलाई को रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक हुई थी। बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री अमित शाह ने ही की थी. उस बैठक में ही दोनों राज्यों के बीच सैद्धांतिक सहमति बनी थी कि 7.75 MAF पानी को बांटा जाएगा। इसके बाद बात और आगे बढ़ी और बिहार कैबिनेट ने 13 जनवरी 2026 को इस फॉर्मूले को मंजूरी भी दे दी थी। अब उसी सहमति पर औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। यहां यह भी बता दें कि पहले की बैठक में 5.75 और 2.00 का फॉर्मूला सामने आया था, अब अंतिम आंकड़ा 5.57 MAF बिहार के पक्ष में तय किया गया है।

भीख मांगते मिले दो बच्चों के पेट पर ऑपरेशन के निशान, अंग तस्करी की आशंका से मचा हड़कंप

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में भीख मांगते मिले दो नाबालिग बच्चों के पेट पर ऑपरेशन के निशान मिलने के बाद अंग तस्करी की आशंका ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बच्चों की स्थिति संदिग्ध पाए जाने पर बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने दोनों को रेस्क्यू कर बालगृह भेज दिया है। मामले की सच्चाई जानने के लिए अब बच्चों की चिकित्सकीय जांच कराई जाएगी। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात करीब आठ बजे शहर थाना क्षेत्र के कोयल नदी किनारे स्थित डिज्नीलैंड मेला परिसर में दो बच्चे भीख मांग रहे थे। इसी दौरान लोगों की नजर उनके पेट पर बने चीरे के निशान पर पड़ी। मामले की सूचना मिलने के बाद सीडब्ल्यूसी की टीम मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों को अपने संरक्षण में लेकर रेस्क्यू किया। टीम द्वारा पूछताछ किए जाने पर दोनों बच्चों ने पेट पर बने निशान को लेकर अलग-अलग जानकारी दी। एक बच्चे ने बताया कि उसके पेट में गिल्टी हो गई थी, जिसके कारण उसका ऑपरेशन कराया गया। वहीं दूसरे बच्चे ने बताया कि उसके पेट में पथरी हो गई थी और परिजनों ने उसका ऑपरेशन कराया था। बच्चों के बयानों में अंतर और परिस्थितियों को देखते हुए सीडब्ल्यूसी ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों बच्चों की ओर से बताई गई बातें प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अंग तस्करी से जुड़ा मामला हो सकता है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चों को रेस्क्यू करने के बाद बालगृह में रखा गया है। बच्चों के स्वास्थ्य और उनके पेट में हुए ऑपरेशन की वास्तविकता की जानकारी के लिए पलामू के सिविल सर्जन को पत्र भेजकर चिकित्सकीय जांच कराने का आग्रह किया गया है। चिकित्सकीय जांच के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि बच्चों के शरीर के अंदरूनी अंग सामान्य स्थिति में हैं या नहीं तथा पूर्व में किस कारण से उनका ऑपरेशन हुआ था। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। सीडब्ल्यूसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चों के संरक्षण के साथ-साथ पूरे प्रकरण की तह तक पहुंचने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब चिकित्सकीय रिपोर्ट और आगे की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करते समय भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि वस्त्र और परिधान क्षेत्र केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का अंग नहीं है बल्कि यह करोड़ों देशवासियों की आजीविका का भी आधार है। जब आप विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करें, तब भी उसमें भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु सोमवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के संयुक्त दीक्षांत समारोह 2026 को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, "आपकी सोच वैश्विक होनी चाहिए, लेकिन आपकी जड़ें अपनी मिट्टी की विशिष्टता और जीवन मूल्यों से जुड़ी रहें। जब आप विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करें, तब भी उसमें भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए। आपको एक ऐसे समाज के निर्माण में सहयोग करना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की प्रगति में योगदान करने के उचित अवसर मिल सकें। आपके प्रयास से शिल्पकार को अपनी शिल्प की मूल पहचान को बनाए रखते हुए अपनी उत्पादकता और आय बढ़ाने में सहायता मिले। इसी में आपकी सफलता है। राष्ट्रपति ने महिला सशक्तीकरण के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि 20 वर्ष पहले इस क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल 20 प्रतिशत थी जबकि आज उपस्थित लगभग 4 हजार विद्यार्थियों में से 85 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और 'सर्कुलर इकोनॉमी' पर बल देते हुए बंगाल की कांथा कढ़ाई और बिहार की सुजनी कला का विशेष उल्लेख किया गया। उन्होंने इन पारंपरिक शिल्पों को रीसाइक्लिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि जो सामग्री बच जाए, उसे बेकार समझकर फेंकने के बजाय नया रूप, नई उपयोगिता और मूल्य देना ही भारतीय परंपरा का मूल आधार है। विद्यार्थियों से स्थानीय कच्चे माल का उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल उत्पाद और वैश्विक ब्रांड तैयार करने की अपील की गई। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं की भूमिका को निर्णायक बताते हुए उन्होंने आह्वान किया कि युवा केवल नौकरी खोजने वाले न बनें बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाले बनें।

रिश्वत लेने के मामले में तत्कालीन आपूर्ति पदाधिकारी को पांच वर्ष का सश्रम कारावास

25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया, अर्थदंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष न्यायाधीश राज कुमार मिश्र की अदालत ने रिश्वत लेने के मामले में तत्कालीन बिश्रामपुर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रमेश चंद्र प्रसाद को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(डी) के तहत दोषी पाते हुए 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। वहीं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत अदालत ने उन्हें चार वर्ष के सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। मामले के संबंध में बिश्रामपुर निवासी मोनीर आलम ने तत्कालीन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रमेश चंद्र प्रसाद के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रांची थाना कांड संख्या 33/2014, दिनांक 15 अक्टूबर 2014 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 एवं 13(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2014 में रमेश चंद्र प्रसाद बिश्रामपुर प्रखंड में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के पद पर कार्यरत थे। आरोप था कि उन्होंने खाद्यान्न उठाव की अनुमति देने के एवज में निर्धारित पारिश्रमिक के अतिरिक्त प्रति क्विंटल 10 रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

आवश्यक सूचना

झारखंड से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र 'जनतरंग पथदूत' के लिए सभी जिलों में ब्यूरो प्रमुख एवं सभी प्रखंडों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी अपना आवेदन एवं संक्षिप्त परिचय मोबाइल नंबर 943012768 पर व्हाट्सऐप के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन अखबार के ई-मेल पते पर भी भेजा जा सकता है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन में नाम, पता, मोबाइल नंबर, शैक्षणिक योग्यता, पत्रकारिता का अनुभव एवं संबंधित क्षेत्र की जानकारी अवश्य दें।

संपादक
जनतरंग पथदूत
रांची कार्यालय
रातू, रांची

संक्षिप्त समाचार

राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर में श्रद्धालुओं में बांटा गया अन्नपूर्णा महाप्रसाद

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में सोमवार को स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में 281वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। इस अवसर पर श्री राधा रानी का आकर्षक श्रृंगार मनोहारी पुष्पों और आभूषणों से किया गया। दोपहर में मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के साथ महाप्रसाद का भोग लगाया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, लीची जूस और आलू चिप्स के पैकेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते रहे। राधे-कृष्ण और श्याम के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। इसके बाद सामूहिक महाआरती हुई। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और हजारों भक्तों ने दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 से 02 बजे तक वेजिटेबल खिचड़ी महाप्रसाद वितरित किया जाता है। आयोजन की सफलता में ट्रस्ट के सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गडढों में मछली पालन कर लोगों ने की सडक निर्माण की मांग

रांची। राजधानी रांची के लालगुटवा के महतो बगीचा स्थित रामचंद्रनगर की जर्जर सड़क पर जलजमाव और गड्ढों से परेशान स्थानीय लोगों ने सोमवार को अनोखे अंदाज में मछली पालन कर विरोध दर्ज किया। मौके पर स्थानीय लोगों ने सड़क में बने गड्ढों में मछली छोड़कर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित किया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने कहा कि सड़क अब सड़क कम, मछली पालन केंद्र अधिक नजर आती है। स्थानीय निवासियों ने जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची की कई सडकें मरम्मति के अभाव में गडढों में तब्दिल हो गई हैं। बरसात ने रांची की सडकों की स्थिति को और भी दयनीय बना दी है।

चैंबर चुनावः टीम तुलसी पटेल के 24 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज चुनाव के लिए टीम तुलसी पटेल के 24 उम्मीदवारों ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद टीम ने अपर बाजार, ईस्ट-वेस्ट मार्केट में भ्रमण कर समर्थन मांगा। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार तुलसी पटेल ने कहा कि चैंबर को और सक्रिय, पारदर्शी और प्रभावी बनाना लक्ष्य है। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और सरकारी स्तर पर पैरवी के लिए टीम प्रतिबद्ध है। नामांकन करने वालों में अमित शर्मा, अनिल अग्रवाल, अरुण भरतीया, ज्योति कुमारी, मनीष सर्राफ, मोनिका गोयनका, राहुल साबू सहित अन्य शामिल हैं।

रांची में पेंशन दरबारः 8 शिक्षकों को रिटायरमेंट के दिन मिले सभी लाभ

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पेंशन दरबार-सह-सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 8 सेवानिवृत्त शिक्षकों को उसी दिन उनके सभी सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान किए गए। सम्मानित शिक्षकों में पूनम एक्का, सुरेखा कुमारी, युगेश्वर विश्वकर्मा, शिवसागर प्रसाद, शिवनंदन कुमार, सुनीता चौधरी, विभा तिर्की और सिबिलन मड़की शामिल हैं। उपायुक्त ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की अपील की और बच्चों में बढ़ती मोबाइल लत पर चिंता जताई। इस दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद और जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज मौजूद रहे।

टेंपो-बाइक की टक्कर में बाइक चालक की मौत

जनतरंग पथदूत संवाददाता

नौडीहा बाजार। नौडीहा थाना क्षेत्र के रबदा मोड़ के समीप सोमवार की शाम करीब सात बजे टेंपो और बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक चालक विजय भुईयां गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल मेदिनीनगर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना नौडीहा-छतरपुर मार्ग पर रबदा मोड़ के समीप हुई। घटना की सूचना मिलते ही नौडीहा बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त टेंपो एवं बाइक को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

झारखंड के सात जिलों में 01 सितंबर को भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी। रांची

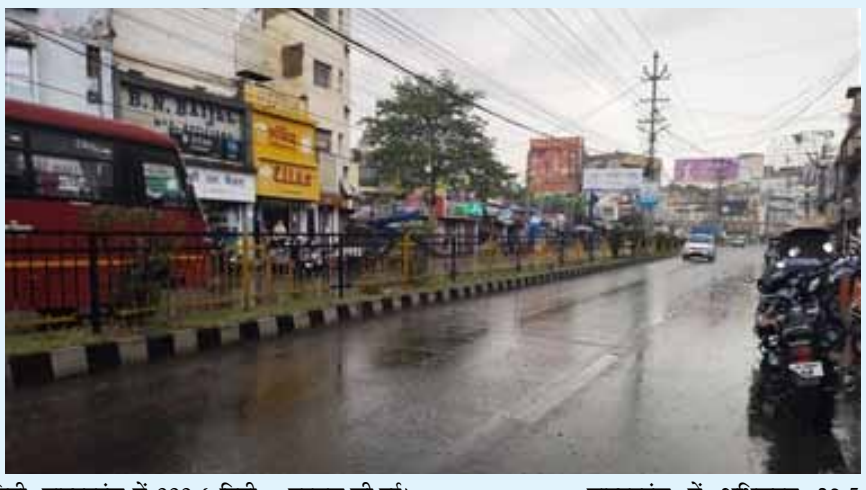

राज्य के सात जिलों में 01 सितंबर को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने सोमवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य के जिन जिलों में बहुत भारी बारिश हो सकती है उनमें राज्य के उत्तर पश्चिमी जिले लातेहार, गढ़वा, पलामू, मध्यवर्ती जिले लोहरदगा एवं गुमला तथा दक्षिणी जिले सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश लातेहार जिले के महुआडांड में 171 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान बोकारो में 34.1 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राजधानी रांची में 01 जून से 31 अगस्त तक 1023.4 मिलीमीटर, जमशेदपुर में 900.3 मिमी, डाल्टनगंज में 888.6 मिमी, बोकारो में 618 मिमी और चाईबासा में 1057.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से रुक रुक कर हल्की बारिश होती रही। बारिश होने से वातावरण में ठंड महसूस की गई।

टेम्परेचर अपडेट- सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री और न्यूनतम 23.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 33.2 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.5 और न्यूनतम 25.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कोयला कारोबारी एलबी सिंह की पत्नी से ईडी की पूछताछ जारी

एजेंसी। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह से पूछताछ शुरू कर दी है। ईडी की ओर से जारी समन के आलोक में वह सोमवार को ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर हुई, जहां ईडी के अधिकारियों ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरती सिंह से पूछताछ शुरू की। उल्लेखनीय है कि कोयला घोटाले में दूसरे चरण की छापेमारी के दौरान ईडी ने 160 करोड़ रुपये के वित्तीय निवेश को फ्रीज कर दिया था। छापेमारी के दौरान मिले निवेश से संबंधित फ्रीज किये गये दस्तावेज में आरती सिंह के नाम पर किया गया निवेश भी शामिल है। ईडी ने निवेश से संबंधित दस्तावेज के आधार पर आरती सिंह को इससे पहले दो बार समन जारी किया था। हालांकि वह दोनों बार पूछताछ के लिए हाजिर होने के बदले समय की मांग की थी। ईडी के तीसरे समन पर वह 31 अगस्त को पूछताछ के लिए हाजिर हुईं।

फायरिंग में एक युवक गंभीर, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी। रांची

रांची के बरियातू थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात फायरिंग का मामला सोमवार को प्रकाश आया है। फायरिंग में कमड़े, रातू निवासी टोनी लोहरा घायल हो गया। गोली उसके पेट में लगी है। गंभीर हालत में उसे रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार देर रात मंडा बगीचा में कई युवक जुटे थे। बताया जा रहा है कि वहां शराब पार्टी चल रही थी। देर रात लगभग 2 बजे अचानक फायरिंग की आवाज सुनाई दी। गोली चलते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई और वहां मौजूद युवक इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर एक युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा था। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे उठाकर वाहन से अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से गोली चलाए जाने की बात कही जा रही है। गोली टोनी लोहरा के पेट में लगी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस घायल युवक के होश में आने और उसका बयान दर्ज होने का इंतजार कर रही है। घटना की जानकारी सोमवार सुबह पुलिस को मिली। इसके बाद सदर डीएसपी संजीव बेसरा और बरियातू थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मंडा बगीचा पहुंचे और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि रात में वहां कौन-कौन लोग मौजूद थे और फायरिंग के बाद कौन लोग मौके से फरार हुए। सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि गोलीबारी की घटना में एक युवक घायल हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना के पीछे क्या वजह रही और फायरिंग किसने की, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

सीठियो घाट में शव जलाने के नाम पर मनमाने वसूली को लेकर नगर आयुक्त से कार्रवाई की मांग

एजेंसी। रांची

एचईसी आवासीय क्षेत्रवासियों ने क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं से जुड़ी चार प्रमुख समस्याओं को लेकर सोमवार को रांची नगर निगम के नगर आयुक्त के समक्ष एक आवेदन देकर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की गई है। यह जानकारी एचईसी क्षेत्र के नागरिकों की ओर से अध्यक्ष मंगल शर्मा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने जारी विज्ञप्ति के जरिए बताया कि आवेदन में सीठियो रोड स्थित श्मशान घाट पर शव के अंतिम संस्कार के लिए मनमाने शुल्क की वसूली पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने लकड़ी की कीमत और शव जलाने वाले कर्मी का शुल्क निर्धारित कर सूचना पट पर प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। आवेदन में धुर्वा से कचहरी और कचहरी से धुर्वा के बीच बंद सिटी बस सेवा को पुनः बहाल करने की मांग भी की गई है। उन्होंने कहा कि बस सेवा बंद होने से लोगों को कई बार ऑटो बदलना पड़ता है और अधिक किराया देना पड़ता है। इसके अलावा आवासीय कॉलोनियों में बढ़ते आवारा कुत्तों के प्रकोप से बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा को खतरा बताते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई है। वहीं, सड़कों में हुए कटाव और गड्ढों की मरम्मत कराने का भी आग्रह किया गया है। आवेदन की प्रतिलिपि रांची नगर निगम के महापौर और उप महापौर को भी दी गई है।

मोदी के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा चलाएगी सेवा संकल्प अभियान : आदित्य साहू

एजेंसी। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। इसे लेकर रविवार को कांके के हवेली बैंक्वेट हॉल में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला हुई। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि एक ईमानदार नेतृत्व देश की तकदीर बदल देता है, मोदी इसका उदाहरण हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 12 वर्षों का कालखंड बेमिसाल है और एमएमडीआर अधिनियम से झारखंड को सर्वाधिक लाभ हुआ है। राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप वर्मा ने कार्यकर्ताओं से केंद्रीय योजनाओं को घर-घर पहुंचाने को कहा। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने बताया कि 5-7 सितंबर को जिला और 8-10 सितंबर को मंडल स्तरीय कार्यशाला होगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर झारखंड के मलखंब खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

एजेंसी। रांची

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय स्थित झारखंड मलखंब अकादमी में सोमवार को खेल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के करीब 60 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने पोल मलखंब, रोप मलखंब और हैंगिंग मलखंब में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दमखम दिखाया। खिलाड़ियों ने जटिल पिरामिड बनाकर अपनी प्रतिभा और अभ्यास का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी और भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका और विशिष्ट अतिथि रांची जिला मलखंब संघ के सचिव आशुतोष द्विवेदी मौजूद थे। इस अवसर पर खिलाड़ियों के बेहतर अभ्यास के लिए दीपक बंका ने झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन को पांच लंबे क्रैश मैट और मैट उपलब्ध कराया। खेल सामग्री मिलने पर खिलाड़ियों में उत्साह देखा गया। बंका ने कहा कि सुरक्षित अभ्यास के लिए मैट की आवश्यकता थी। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर मेहनत करने और मलखंब को राज्य में आगे बढ़ाने का आह्वान किया एवं भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। आयोजकों ने बताया कि आगामी 27 से 29 सितंबर 2026 तक झांसी में होनेवाली अखिल भारतीय मलखंब प्रतियोगिता में झारखंड की टीम भाग लेगी। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के निदेशक अजय झा ने किया। मौके पर संजय कुमार, विवेक कुमार, शुभम सिंह, आर्यन लोहरा, आर्यन महतो, अनूप कुमारी, अनुसिखा कुमारी और जानवी कुमारी सहित खिलाड़ी और खेलप्रेमी मौजूद थे।

सिविल जज नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली तीन याचिकाएं एकल पीठ में भेजने का निर्देश

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने सिविल जज जूनियर डिवीजन नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को सुनवाई के लिए एकल पीठ में भेजने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता अभी न्यायिक अधिकारी नहीं बने हैं और उनकी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। इसी तरह के एक मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की एकल पीठ में चल रही है, इसलिए इन मामलों को भी एकल पीठ में भेजने का आग्रह किया गया। राज्य सरकार और झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने भी इस आग्रह पर आपत्ति नहीं जताई। इसके बाद खंडपीठ ने सिविल जज जूनियर डिवीजन नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली तीनों याचिकाओं को सुनवाई के लिए एकल पीठ में भेजने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि प्रार्थियों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन (विज्ञापन संख्या 22 /2023) को चुनौती दी है। मामले में आदित्य भास्कर एवं आयुष कुमार वर्मा ने याचिका दाखिल की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनुराग कश्यप, अधिवक्ता अभय आनंद और अधिवक्ता सोनल ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में मिले तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिसमें टीडीएल शामिल रहा है। इसके अलावा वर्ष 2014 से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितता के मद्देनजर जांच कराने की घोषणा भी की गयी थी। इन घोषणाओं के मद्देनजर कार्मिक प्रशासनिक विभाग ने परीक्ष रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और जांच कराने से संबंधित अधिसूचना जारी की है। इसमें 22 परीक्षाओं को रद्द करने, 6 की प्रक्रिया को स्थगित करने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल करने का उल्लेख किया गया है।

संत जेवियर स्कूल में हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता, नन्हे कवियों ने बिखेरी छटा

एजेंसी। रांची

संत जेवियर स्कूल, डोरंडा के जूनियर सेक्शन में डॉ. फादर कामिल बुल्के अंतरकक्षा हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई। केजी से कक्षा 5 तक के बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। तीन चरणों में हुई प्रतियोगिता में शिशु-बाल दल में अनुभव निर्मित मिंज, आदित्यक शर्मा और रणवीर सिंह प्रथम रहे। सब-जूनियर दल में अमन इशांत बा और जूनियर दल में काव्यांश राज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। काव्यांश राज को सर्वश्रेष्ठ वक्ता और कक्षा तृतीय को सर्वश्रेष्ठ कक्षा का सम्मान मिला। प्राचार्य फा. फुलदेव सोरेंग और उप प्राचार्य फा. कुलदीप लिंडा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रेकी करते थे दिन में, रात में तोड़ते थे ताले; जीजा-साला की जोड़ी सरकारी दफ्तरों को बनाती थी निशाना

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और पंचायत सचिवालयों से कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी करने वाले जीजा-साला की जोड़ी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गई। पुलिस ने नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव में छापेमारी कर चोरी के सामान का बड़ा जखीरा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस अब चोरी की अन्य घटनाओं और सामान खरीदने वाले लोगों तक पहुंचने में जुटी है। पलामू पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नामुदाग गांव निवासी पूर्व पंचायत समिति सदस्य अवधेश कुमार भुइयां और उसके साले अमोद भुइयां के रूप में हुई है। दोनों पर सरकारी संस्थानों की पहले रेकी करने और इसके बाद रात के समय ताले तोड़कर महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी करने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने बताया कि 30 अगस्त को सूचना मिली थी कि अवधेश कुमार भुइयां के घर में चोरी का सामान छिपाकर रखा गया है और

उसे बेचने की तैयारी की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने नामुदाग गांव स्थित उसके घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। इसके बाद अवधेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपने साले अमोद भुइयां के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी पहले सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और अन्य संस्थानों की गतिविधियों पर नजर रखते थे। मौका देखकर रात में वहां पहुंचते और ताले तोड़कर कंप्यूटर, सीपीयू, प्रिंटर समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो जाते थे। इन जगहों पर चोरी की बात कबूली पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने छतरपुर प्रखंड कार्यालय, छतरपुर विद्युत कार्यालय, पाटन प्रखंड कार्यालय, नौडीहा बाजार प्रखंड कार्यालय, नावाटांड़ पंचायत सचिवालय, नौडीहा बाजार स्थित एक फोटो-कॉपी दुकान तथा नामुदाग हाई स्कूल में चोरी करने की बात बताई है। पुलिस अब इन सभी मामलों का सत्यापन कर रही है।

घर बना रखा था चोरी के सामान का ठिकाना- छापेमारी के दौरान अवधेश के घर से विभिन्न कंपनियों के 13 प्रिंटर, एक एसर लैपटॉप, एसर ऑल-इन-वन कंप्यूटर, डेल और लेनोवो के सीपीयू, डेस्कटॉप मॉनिटर, दो इन्वर्टर, 200 एएच की बैटरी, होम थिएटर और लेमिनेशन मशीन बरामद की गई। इसके अलावा लैपटॉप माउस व चार्जर, गैस सिलेंडर, मूविंग चेयर और तीन मोटरसाइकिल भी पुलिस के हाथ लगी हैं। बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद होने के बाद पुलिस को आशंका है कि गिरोह की गतिविधियां कई अन्य चोरी की घटनाओं तक फैली हो सकती हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने अब तक कितनी वारदातों को अंजाम दिया है और चोरी का सामान किन लोगों को बेचा जाता था।

खरीदारों तक पहुंचने में जुटी पुलिस- नौडीहा बाजार थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की निशानदेही पर अन्य स्थानों से भी चोरी का सामान बरामद किया गया है। अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी का सामान खरीदने वाले संभावित लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि सरकारी संस्थानों से चोरी किए गए कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कहां तथा किस माध्यम से खपाया जाता था। जांच आगे बढ़ने के साथ चोरी की कई अन्य घटनाओं का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

स्व. प्रेम श्रीवास्तव की जयंती पर भावुक हुआ चित्रांश समाज, प्रेम स्मृति छात्रवृत्ति की हुई शुरुआत

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : लिला महथा स्मृति न्यास के तत्वावधान में रविवार को ज्ञान शंकर सार्वजनिक दुर्गा मंडप में स्व. प्रेम श्रीवास्तव की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में जैसे ही स्व. प्रेम के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया गया, पूरा माहौल गमगीन हो गया। वक्ताओं ने भावुक होते हुए कहा कि किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि प्रेम भैया को इस रूप में याद करना पड़ेगा। "जो फ्रेम में था, वो फ्रेम में आ गया।" यह सुनते ही मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। हर समय साथ रहने वाले प्रेम भैया आज हमारे बीच नहीं हैं, इस पर विश्वास करना मुश्किल है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और पुष्प अर्पण से हुई। समाज के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने बारी-बारी से उनके चित्र पर फूल चढ़ाकर नमन किया और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

समाज ने निभाई दोहरी जिम्मेदारी- वक्ताओं ने बताया कि समाज पहले से ही जरूरतमंद बेटियों की शादी में सहयोग कर रहा है। इसके तहत अब तक 11 बेटियों की मदद की जा चुकी है। इसी कड़ी में इस वर्ष से प्रेम स्मृति छात्रवृत्ति की शुरुआत की गई है। पहली छात्रवृत्ति की राशि 6000 रुपये श्रेयांका सहाय, सुपुत्री सुभाष नंदन सहाय को प्रदान की गई। आयोजकों ने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है, आने वाले वर्षों में सभी के सहयोग से यह राशि 21 हजार से 51 हजार तक की जाएगी और लाभुकों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। वहीं, समाज के ही अजय श्रीवास्तव ने स्व. प्रेम जी के नाम पर अपने स्कूल में एक जरूरतमंद बच्चे की पूरी पढ़ाई का खर्च उठाने की घोषणा की,

▪ स्व. प्रेम श्रीवास्तव के चित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित करते चित्रांश

जिसका सभा ने तालियों से स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रेम जी के बारे में कुछ कहना सूरज को दीपक दिखाने जैसा है। उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता, लेकिन उनके विचारों को इन सेवा कार्यों के जरिए जिंदा रखा जाएगा। मौके पर शीला श्रीवास्तव, विलास प्रसाद, विजय कुमार सिन्हा, अरविंद कुमार सिन्हा, स्नेह रंजन श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, शरद शरण, अमर सहाय, सतीश कुमार, धीरज, रवि सहित चित्रांश समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दरजाही ने चौपाल को 2-1 से हराकर जीता पांकी फुटबॉल सुपर लीग का खिताब

मुख्य अतिथि लवली गुप्ता ने विजेता एवं उपविजेता टीम को किया सम्मानित

आशीष कुमार जनतरंग पथदूत संवाददाता पांकी (पलामू)। पांकी फुटबॉल सुपर लीग-2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को आरके हाई स्कूल, पांकी के मैदान में दरजाही और चौपाल की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण मुकाबले में दरजाही की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौपाल को 2-1 से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मैदान में मौजूद रहे। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ एक-दूसरे के गोलपोस्ट पर दबाव बनाने का प्रयास किया। दरजाही ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि चौपाल की टीम एक गोल करने में सफल रही। निर्धारित समय तक चौपाल के खिलाड़ियों ने बराबरी के लिए पूरा प्रयास किया, लेकिन दरजाही ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में प्रेम सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई। उन्होंने खेल को निर्धारित नियमों के अनुसार निष्पक्ष एवं अनुशासित ढंग से संचालित कराया। मुकाबले के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व जिला पार्षद लवली गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतियोगिताओं से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। विजेता दरजाही की टीम को 15 हजार रुपये तथा उपविजेता चौपाल की टीम को आठ हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता का आयोजन युवा फुटबॉल क्लब हरना/दरजाही के तत्वावधान में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष आशेवर कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह, उपाध्यक्ष निरंजन सिंह, सचिव यशवंत सिंह एवं उपसचिव मुकेश सिंह सहित अन्य सदस्यों ने प्रतियोगिता की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति ने खिलाड़ियों, रेफरी, दर्शकों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थापना को लेकर बैठक, आयोजन समिति का हुआ गठन

जनतरंग पथदूत संवाददाता नौडीहा बाजार (पलामू)। नौडीहा प्रखंड के नीमा गांव स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थापना को लेकर सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन सरस्वती शिशु मंदिर के संचालक अरुण कुमार पाठक ने किया। बैठक में प्रतिमा स्थापना समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एक आयोजन समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से नंदन कुमार सिंह उर्फ चिंटू सिंह को समिति का अध्यक्ष, आलोक यादव एवं मुन्ना श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य सुदामा प्रसाद को सचिव तथा कन्हैया कुमार एवं बबलू कुमार को उपसचिव बनाया गया। इसी प्रकार राजू प्रसाद गुप्ता कोषाध्यक्ष, उप कोषाध्यक्ष अनूज कुमार मिश्र, संगठन प्रभारी जितेंद्र कुमार भारती, जबकि तिलक कुमार सिंह, गुड़ सिंह एवं संतोष पाठक को संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थापना को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रतिमा स्थापना के माध्यम से वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के साहस, शौर्य और देशभक्ति के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में रोशन सिंह, मिथिलेश यादव, कुंदन सिंह, विवेक कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

एसआईआर-2026 को लेकर नौडीहा में जनसुनवाई शिविर, मतदाता सूची की शिकायतों का हुआ त्वरित समाधान

जनतरंग पथदूत संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदाता सूची से संबंधित दावा, आपत्ति एवं नोटिस मामलों के निष्पादन के लिए सोमवार को नौडीहा पंचायत सचिवालय में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के पात्र मतदाताओं ने पहुंचकर मतदाता सूची से संबंधित अपनी समस्याएं एवं दावा-आपत्तियां अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान मतदाताओं से आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज प्राप्त किए गए। बीडीओ सह अंचल अधिकारी आशीष कुमार साहू ने स्वयं मतदाताओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को प्राप्त दावा-आपत्तियों एवं नोटिस से जुड़े मामलों की गंभीरतापूर्वक जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करने तथा सूची में दर्ज त्रुटियों को दूर करने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। शिविर में मतदाताओं को दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया,

आवश्यक दस्तावेजों तथा मतदाता सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरणों में सुधार कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की जांच कर किसी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराएं। इस अवसर पर प्रधान सहायक नवाब खान, मुखिया हरेंद्र सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राहुल कुमार, बीपीओ अमरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता बसंत कुमार, ऑपरेटर सद्दाम हुसैन, आकाश कुमार, अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर जैश रंजन पाठक ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य सचिव सह पलामू के पूर्व जिलाध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों और मुख्य सड़कों पर अनियंत्रित वाहन परिचालन, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण तथा यातायात नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे आम नागरिकों के साथ विद्यार्थियों, मरीजों, व्यवसायियों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जैश रंजन पाठक ने कहा कि मेदिनीनगर शहर की बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या को देखते हुए यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रमुख चौक-चौराहों पर प्रभावी यातायात नियंत्रण व्यवस्था लागू करने, अवैध पार्किंग के विरुद्ध कार्रवाई करने, अतिक्रमण हटाने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की। उन्होंने पुलिस प्रशासन से शहर में नियमित यातायात

▪ जाम, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग

निगरानी बढ़ाने और जाम की समस्या से आम लोगों को स्थायी राहत दिलाने के लिए ठोस व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था बेहतर होने से शहरवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। जैश रंजन पाठक ने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाएगा।

जरासंध की प्रतिमा स्थापना को लेकर चंद्रवंशी समाज की बैठक, समिति का हुआ गठन

जनतरंग पथदूत संवाददाता

नौडीहा बाजार (पलामू)। नौडीहा प्रखंड के विशुनपुर पंचायत भवन में रविवार को चंद्रवंशी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक उमाशंकर सिंह ने की, जबकि संचालन पंचायत समिति सदस्य विजय सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से समाज के आराध्य एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व महाराज जरासंध की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने प्रतिमा स्थापना के लिए आवश्यक तैयारियों और आयोजन को सफल बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान प्रतिमा स्थापना एवं अन्य आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए एक समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से झूलन सिंह को अध्यक्ष, हिमांशु शेखर को कोषाध्यक्ष तथा संदीप कुमार को सचिव बनाया गया। बैठक में समाज के लोगों ने एकजुट होकर प्रतिमा स्थापना

कार्य को सफल बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता बढ़ती है और नई पीढ़ी को अपने इतिहास एवं गौरवशाली परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिलता है। बैठक में बसंत चंद्रवंशी, अजय सिंह, आलोक कुमार, लालदेव चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

अमृत भारत योजना की सुस्त रफ्तार से जपला के रेल यात्रियों में नाराजगी, डीआरएम के निर्देश भी बेअसर

जनतरंग पथदूत संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) रेल मंडल के अंतर्गत जपला रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में हो रही देरी से स्थानीय रेल यात्रियों और आम लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बेहतर राजस्व देने वाले स्टेशनों में शामिल होने के बावजूद जपला स्टेशन पर यात्रियों को अब भी कई बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जपला स्टेशन का चयन आधुनिक सुविधाओं के साथ कायाकल्प के लिए किया गया है। कुछ माह पूर्व डीडीयू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने जपला स्टेशन का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और संवेदकों को निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद कई माह

बीत जाने के बाद भी कार्य की गति में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे रहा है।

राजस्व देने में आगे, सुविधाओं में पीछे- स्थानीय यात्रियों का कहना है कि जपला स्टेशन टिकट बिक्री और माल ढुलाई के माध्यम से रेलवे को अच्छा राजस्व देता है। इसके बावजूद स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का अपेक्षित विस्तार नहीं हो सका है।

यात्री शेड और फुट ओवरब्रिज का काम अधूरा- स्टेशन पर यात्री शेड का निर्माण कई महीनों से लंबित है। शेड के लिए पिलर खड़े कर दिए गए हैं, लेकिन अब तक उनके ऊपर छत नहीं लगाई गई है। वहीं, प्लेटफॉर्म संख्या एक से दो तक आने-जाने के लिए प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज का निर्माण भी धीमी गति से चल रहा है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माण कार्य में शीघ्र तेजी नहीं लाई गई तो वे चरणबद्ध आंदोलन करने को

▪ यात्री शेड और फुट ओवरब्रिज का निर्माण अधूरा, बुजुर्गों व दिव्यांगों को हो रही परेशानी

बाध्य होंगे। उन्होंने रेलवे से अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कर यात्रियों को राहत देने की मांग की है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, एमएस कंस्ट्रक्शन को हैदरनगर, मोहम्मदगंज, जपला और नबीनगर स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज, यात्री शेड सहित अन्य विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। कार्य में उदासीनता के कारण इसकी गति धीमी बनी हुई है। वहीं, गति शक्ति से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यात्री शेड का निर्माण जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई और अनुबंध समाप्त करने के संबंध में वरीय अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

जलजमाव से परेशान तुर्काडीह के ग्रामीणों ने नौडीहा बाजार में किया सड़क जाम

जनतरंग पथदूत संवाददाता

नौडीहा बाजार (पलामू)। लगातार चार दिनों से हो रही वर्षा के कारण जलजमाव की समस्या से परेशान नौडीहा प्रखंड के तुर्काडीह गांव के ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह नौडीहा बाजार में सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण करीब दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा। ग्रामीणों का आरोप था कि पानी की निकासी का पुराना रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण गांव में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, लगातार वर्षा के कारण गांव में पानी जमा हो गया और कई घरों में पानी घुस गया। वहीं सड़क पर भी पानी बहने लगा, जिससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। जलजमाव के कारण विद्यालय जाने वाले बच्चों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों

▪ दो घंटे तक आवागमन रहा बाधित, प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों ने हटाया जाम

ने बताया कि गांव से पानी की निकासी के लिए पहले से रास्ता बना हुआ था, लेकिन एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से उस रास्ते को बंद कर दिया गया। इसके कारण पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई और गांव के साथ-साथ घरों में भी पानी प्रवेश करने लगा। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए संबंधित व्यक्ति से पानी की निकासी का रास्ता खोलने का आग्रह किया गया, लेकिन जब कोई समाधान नहीं निकला तो आक्रोशित ग्रामीणों ने नौडीहा बाजार में सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी संजय कुमार ने तत्काल श्रीकांत दास को मौके पर भेजा। प्रशासन के हस्तक्षेप से पानी की निकासी का रास्ता खुलवाया गया। इसके बाद सड़क पर आवागमन सामान्य हुआ और ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। ग्रामीणों द्वारा सुबह करीब 7 बजे से 9 बजे तक सड़क जाम किया गया। प्रशासन के त्वरित हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई।

बटाने नदी में लापता युवक का शव बरामद, एनडीआरएफ की टीम ने तीन किलोमीटर दूर से निकाला

जनतरंग पथदूत संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू)। एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम ने सोमवार को बटाने नदी में डूबे युवक राजू चंद्रवंशी उर्फ टेनी (30) का शव बरामद कर लिया। मृतक सीमावर्ती बिहार के औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहेता हेमजा गांव निवासी स्व. जगनारायण सिंह चंद्रवंशी का पुत्र था। वह औरंगाबाद में रहकर ऑटो चलाता था और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जाता है कि बीते शनिवार को राजू अपने कुछ साथियों के साथ पिकनिक मनाने हरिहरगंज आया था। इसी दौरान थाना क्षेत्र के डेमा पउरा गांव के बेलघटी के समीप बटाने नदी में नहाने के क्रम में राजू और रितिक डूब गए थे। रितिक का शव रविवार को बरामद कर लिया गया था, जबकि राजू का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। स्थानीय प्रशासन की सूचना पर पलामू उपायुक्त की

पहल से बिहार के पटना से ददन सिन्हा के नेतृत्व में 30 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम सोमवार को घटनास्थल पहुंची। टीम ने सघन तलाशी अभियान चलाया। घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर हरिहरगंज के सियरभूंका गांव के समीप बटाने नदी में तेज बहाव के बीच मूंज की झाड़ी में फंसा राजू का शव मिला। एनडीआरएफ के जवानों ने काफी मशक्कत के बाद एयरबोट की सहायता से शव को नदी से बाहर निकाला। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए मेदिनीनगर भेज दिया। इधर, राजू का शव मिलने की खबर मिलते ही पत्नी रूबी, पुत्र जिज्ञांसु एवं रुद्र तथा वृद्ध माता सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। शव बरामद किए जाने के दौरान अंचल अधिकारी मनीष कुमार सिन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, अखिलेश मेहता, रंजन कुमार, मृत्युंजय सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रिसर्च, नवाचार और स्टार्ट-अप के लिए विद्यार्थियों को तैयार करें : कुलपति

जनतरंग पथदूत संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल महाविद्यालय, सड़मा, छतरपुर में सत्र 2026-30 के नूतन छात्र-छात्राओं के अभिनंदन के लिए सोमवार को भव्य नूतन छात्र अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन पंचम कुमार ने किया। समारोह में महाविद्यालय के सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार सिंह, महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी, अभिभावक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. डॉ.

दिनेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नियमित शिक्षण के साथ उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं, शोध, नवाचार एवं स्टार्ट-अप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने महाविद्यालय में रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्ट-अप से जुड़े कार्यक्रमों की व्यवस्था करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में नई सोच, रचनात्मकता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और उद्यमिता की भावना विकसित होगी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित करने की आवश्यकता बताई। कुलपति ने कहा कि सेमेस्टर-वन की परीक्षा दिसंबर में आयोजित कराने की तैयारी है तथा विश्वविद्यालय के सभी सत्रों को नियमित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

▪ नूतन छात्र अभिनंदन समारोह में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी दिया जोर

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने नूतन विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में नियमित शिक्षण के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि विद्यार्थी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। महाविद्यालय के सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल स्नातक शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर के लिए तैयार करना भी है। उन्होंने कहा कि स्नातक के बाद विद्यार्थी नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करें, इसके लिए महाविद्यालय हरसंभव सहयोग एवं मार्गदर्शन देगा। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। स्वागत प्रस्तुति में बबीता ग्रुप ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं आरिफा, अनाज, सुषमा कुमारी एवं चक्रवर्ती सहित अन्य विद्यार्थियों ने नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर राजमोहन ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मुख्य अतिथि, अतिथियों, महाविद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री के सलाहकार पहुंचे धनबाद

जनतरंग पथदूत संवाददाता

धनबाद : प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे। इस दौरान दुर्गापुर के काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार तथा बीसीसीएल के सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। दो दिवसीय दौरे के दौरान वे बीसीसीएल की विभिन्न खनन परियोजनाओं, अग्नि प्रभावित क्षेत्रों, पुनर्वास स्थलों का निरीक्षण करने के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे।वहीं दुर्गापुर एयरपोर्ट से निकलने के बाद श्री तरुण कपूर ने मैथन स्थित प्रसिद्ध मां कल्याणेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की। जिसके बाद उन्होंने कोयला भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बीसीसीएल के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।श्री कपूर मुनीडीह क्षेत्र में संचालित कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट एवं लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

▪ बीसीसीएल, पुनर्वास स्थलों और प्रमुख विकास योजनाओं की करेंगे समीक्षा
▪ धनबाद आने के क्रम में की मां कल्यानेश्वरी की पूजा

कुसुंडा क्षेत्र के एना फायर प्रोजेक्ट का दौरा करेंगे तथा उच्च जोखिम वाले स्थलों के प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद करेंगे।वहीं मंगलवार, 01को झरिया मास्टर प्लान के तहत बेलगड़िया एवं करमाटांड़ स्थित पुनर्वास स्थलों का जायजा लेंगे। इसके बाद वे समाहरणालय सभागार में झरिया मास्टर प्लान, जेआरडीए, एनएचएआई, रेलवे, बीएसएनएल एवं टेलीकॉम विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर के दौरे के सफल संचालन के लिए उपायुक्त के निर्देशानुसार सुरक्षा, यातायात और विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारी वर्षा के कारण पंडवा से गाड़ी गांव ग्रामीण पथ टूटा

जनतरंग पथदूत संवाददाता पंडवा, पलामू । पलामू जिले अंतर्गत पंडवा प्रखंड क्षेत्र में लगातार वर्षा होने के कारण पंडवा से गाड़ी खास का ग्रामीण पथ टूट गया है।यह पथ दुर्गावती नदी पर स्थित था।इस पथ का प्रयोग पंडवा के राजहारा कोलियरी, तीन नम्बर के लोग शॉट- कट आवागमन करते थे। पंडवा पंचायत के पूर्व मुखिया सह जेएमएम प्रखंड सचिव राणा सिंह चौहान ने कहा कि लगातार वर्षा होने के कारण ग्रामीण पथ टूट गया है। उन्होंने कहा कि कोयल नदी का जलस्तर बढ़ने से दुर्गावती नदी का पानी सम जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पथ टूटने से इस क्षेत्र के लोग एनएच 39 फोरलेन सड़क से आवागमन करते हैं।

हैदरनगर से छतरपुर जाने के दौरान बाइक सवार शिक्षक को हाइवा ने मारी टक्कर,गंभीर रूप से घायल

जनतरंग पथदूत संवाददाता हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के हैदरनगर से छतरपुर आ रहे एक शिक्षक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान संतोष कुमार गुप्ता, पिता कृष्णा साह, छतरपुर निवासी के रूप में हुई है,जो हैदरनगर में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतोष गुप्ता हैदरनगर बाइक से छतरपुर आ रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार हाइवा चालक ने अनियंत्रित होकर उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत टेंपो से उन्हें हैदरनगर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका ईलाज चल रहा है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है, परिजन अस्पताल पहुंच चुके हैं। चिकित्सक के अनुसार, फिलहाल शिक्षक खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

छाताबाद लकड़का 6 नंबर में जोरदार आवाज के साथ धंसी जमीन, गहरे गोप में गिरा मवेशी

जनतरंग पथदूत संवाददाता कतरासः बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया-3 के छाताबाद लकड़का स्थित 6 नंबर चाणक के समीप एक घर के सामने सोमवार को जोरदार आवाज के साथ अचानक जमीन धंस गई। जमीन धंसने से लगभग 40- 50 फिट गहरा गोफ बन गया, जिसमें पास में चर रहा एक मवेशी गिरकर फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मवेशी को गोप से बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी। अचानक जमीन धंसने की घटना से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद काफी समय बीत जाने के बावजूद बीसीसीएल का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। इससे लोगों में नाराजगी देखी गई। लोगों ने बीसीसीएल प्रबंधन और प्रशासन से तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करने, धंसी जमीन की जांच कराने तथा आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

झारखंड सरकार के निर्देशानुसार कार्यालय से निर्गत होंगे ऑफलाइन प्रमाण पत्र : सीओ जागो महतो

जनतरंग पथदूत संवाददाता नीलाम्बर-पीताम्बरपुर :- झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के निर्देश के बाद अब नीलाम्बर-पीताम्बरपुर अंचल कार्यालय में जाति, आय, स्थानीय निवासी एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी जारी किए जाएंगे। वार्ता के दौरान अंचलाधिकारी जागो महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन और आम लोगों को राहत देने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की है।सीओ जागो महतो ने कहा कि जिन लोगों को नौकरी, शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन, छात्रवृत्ति या अन्य सरकारी कार्यों के लिए प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अंचल कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन भी जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार यह व्यवस्था अगले तीन माह तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी प्राप्त एवं लंबित आवेदनों की नियमानुसार जांच कर प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे। साथ ही ऑफलाइन जारी किए गए सभी प्रमाण पत्रों को बाद में ऑनलाइन पोर्टल पर भी अपडेट किया जाएगा। अंचलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे सही दस्तावेजों के साथ आवेदन करें, ताकि प्रमाण पत्र समय पर निर्गत हो सके और किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पंडवा में एसआईआर को लेकर प्रशासन सक्रिय, 163 मतदाताओं की मैपिंग पूरी

जनतरंग पथदूत संवाददाता

पंडवा, पलामू। पंडवा प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लंबित कार्यों को पूरा कराने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। ऐसे मतदाता, जिनकी मैपिंग प्रक्रिया के दौरान किसी कारणवश प्रविष्टि पूरी नहीं हो सकी थी, उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर मैपिंग की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को पंडवा पंचायत सचिवालय भवन में 163 मतदाताओं की मैपिंग का कार्य पूरा कराया गया। बीडीओ सह सीओ अंजली मेहता के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान संबंधित मतदाताओं के आवश्यक दस्तावेजों की जांच और सत्यापन

किया गया। बीडीओ सह सीओ ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में एसआईआर के दौरान लंबित रह गए मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई थी, उनके घर जाकर बीएलओ द्वारा नोटिस दिया गया। नोटिस मिलने के बाद संबंधित मतदाताओं ने आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए। दस्तावेजों की जांच और सत्यापन के बाद पात्र मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर एसआईआर की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। अंजली मेहता ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी पात्र मतदाता को अनावश्यक परेशानी न हो। एसआईआर से संबंधित समस्याओं की सुनवाई कर उनका नियमानुसार समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निपटारे के लिए प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मी लगातार सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं। अभियान को सफल बनाने में मुखिया सिंधु देवी, पंचायत सेवक कुसुम लता, अभय द्विवेदी, राजस्व कर्मचारी रवि कुमार गुप्ता, बीएलओ रिनता बाला, सामाजिक कार्यकर्ता रामपति मेहता, राणा सिंह चौहान, प्रियंका सिंह, भीम मेहता सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

आरएसपी कॉलेज में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

जनतरंग पथदूत संवाददाता

बलियापुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आरएसपी कॉलेज, झरिया के बेलगड़िया प्रांगण में 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की भावना के साथ तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रस्सी कूद, पुश-अप, गोला फेंक एवं रस्सी खींच प्रतियोगिताएं हुईं। रस्सी कूद में कोमल कुमारी एवं नागेंद्र कुमार बाउरी विजेता रहे, जबकि पुश-अप में संजीव व विकास संयुक्त रूप से प्रथम रहे। गोला फेंक में कोमल कुमारी एवं अमृत कुमार महतो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिक्षक वर्ग में डॉ. श्याम किशोर प्रसाद का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। रस्सी खींच में कोमल टीम, राजू ग्रुप एवं प्राचार्य ग्रुप विजेता रहे। प्राचार्य डॉ. निलेश कुमार सिंह ने खेल को स्वस्थ जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताया।

मोबाइल लौटाकर इम्तियाज ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर। आज के दौर में जब छोटी-सी वस्तु मिलने पर उसे अपना समझ लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वहीं कुछ लोग अपनी ईमानदारी और इंसानियत से समाज के सामने मिसाल कायम कर रहे हैं। ऐसा ही उदाहरण अरमान पोल्ट्री, स्टेशन रोड के कर्मचारी इम्तियाज अंसारी ने पेश किया। जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति का बड़ा बेटा स्टेशन जाने के क्रम में रास्ते में अपना मोबाइल फोन गिरा बैठा। रास्ते में मिला मोबाइल अरमान पोल्ट्री, स्टेशन रोड के कर्मचारी इम्तियाज अंसारी को मिला। उन्होंने ईमानदारी का परिचय देते हुए मोबाइल अपने पास रखने के बजाय अरमान पोल्ट्री के संचालक सलमान खान को सौंप दिया। मोबाइल की तलाश में जब संबंधित व्यक्ति ने अपने बेटे के नंबर पर फोन किया तो सलमान खान ने फोन उठाकर बताया कि मोबाइल उनके पास सुरक्षित है और वे आकर इसे ले जा सकते हैं। इसके बाद मोबाइल

मालिक अरमान पोल्ट्री पहुंचे, जहां सलमान खान ने मोबाइल सुरक्षित रूप से उन्हें वापस कर दिया। इस दौरान उन्होंने आत्मीयता दिखाते हुए उन्हें चाय भी पिलाई। मोबाइल सुरक्षित वापस मिलने पर संबंधित व्यक्ति ने इम्तियाज अंसारी को पुरस्कृत कर उनके प्रति आभार जताया। साथ ही सलमान खान का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से यह साबित होता है कि ईमानदारी, मानवता और इंसानियत आज भी हमारे समाज में जीवित है। इम्तियाज अंसारी ने मोबाइल लौटाकर और सलमान खान ने उसे सुरक्षित रखकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

एनपीयू की कार्यप्रणाली पर छात्रों ने उठाए सवाल, कुलपति का पुतला फूंक जताया विरोध

जनतरंग पथदूत संवाददाता

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर छात्र संगठनों का विरोध आंदोलन तेज हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए छात्रों ने सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया और कुलपति का पुतला दहन कर अपनी नाराजगी जताई। छात्रों ने विश्वविद्यालय में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण संस्था है। ऐसे में यहां होने वाले वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों में पूरी पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में कई मामलों को लेकर लंबे समय से सवाल उठ

रहे हैं, लेकिन संबंधित स्तर पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की जा रही है। छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से विभिन्न खरीद और वित्तीय निर्णयों से संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। इससे पहले आपसू और एनएसयूआई की ओर से विश्वविद्यालय में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर 30 दिन-30 खुलासे अभियान भी शुरू किया गया है। छात्र नेताओं ने विशेष अंकेक्षण से संबंधित रिपोर्ट का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय में 11 एसी की खरीद को लेकर भी सवाल उठाए हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय के वित्तीय संसाधन सार्वजनिक धन से संचालित होते हैं, इसलिए प्रत्येक खर्च का हिसाब विद्यार्थियों और आम लोगों के सामने स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने खरीद प्रक्रिया, भुगतान, स्वीकृति तथा सामान की वास्तविक उपयोगिता से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन चलाने की बात भी कही गई। गौरतलब है कि हाल के दिनों में विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर भी चर्चा तेज हुई है। एनपीयू के रजिस्ट्रार नफीस अहमद ने अगस्त में अपने पद से इस्तीफा दिया था। विश्वविद्यालय के कुलपति ने उनके इस्तीफे की पुष्टि करते हुए बताया था कि रजिस्ट्रार ने निजी कारणों का हवाला दिया है। छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और विद्यार्थियों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए है।

यूजीसी कानून के खिलाफ विशाल जुलूस में उदय प्रताप सिंह ने स्वर्ण समाज से भारी संख्या में शामिल होने की अपील की

जनतरंग पथदूत संवाददाता

धनबाद। यूजीसी कानून वापस लेने और आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर स्वर्ण समाज की धनबाद में आंदोलन की हुंकार तेज हो गई है। राजपूत विचार मंच ने मंगलवार, 1 सितंबर को जिला परिषद मैदान से रणधीर वर्मा चौक तक विशाल जुलूस निकालने का ऐलान किया है। जुलूस के बाद उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर यूजीसी कानून को वापस लेने तथा आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई जाएगी। सोमवार को राजपूत विचार मंच के संरक्षक उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनसंपर्क अभियान व आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि यूजीसी के नए प्रावधानों को लेकर देशभर में विरोध का माहौल है और राजपूत विचार

मंच भी इस आंदोलन का समर्थन करेगा। उन्होंने स्वर्ण समाज के लोगों से बड़ी संख्या में जुलूस में शामिल होकर आंदोलन को मजबूती देने की अपील की। उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यूजीसी कानून काला कानून है। इससे युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।उन्होंने आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए कहा कि आरक्षण का आधार आर्थिक होना चाहिए। उनका आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था में संपन्न परिवारों को भी आरक्षण का लाभ मिल रहा है, जबकि वास्तविक रूप से जरूरतमंद गरीब परिवार इससे वंचित रह जा रहे हैं। बैठक में डॉ पीयूष सिंह ने कहा कि प्रस्तावित नए नियमों में सामान्य यानी अनारक्षित वर्ग को कथित तौर पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। इसे उन्होंने असंवैधानिक और एकतरफा बताते हुए व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की। साथ ही जातिगत आधार पर आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू

▪ 1 सितंबर को जिला परिषद मैदान से रणधीर वर्मा चौक तक निकलेगा मार्च, राष्ट्रपति के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

करने की मांग भी उठाई गई। स्पष्ट किया कि 1 सितंबर का जुलूस केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और आरक्षण व्यवस्था में समानता की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने का माध्यम होगा। बैठक में डॉ. पीयूष सिंह, राहुल सिंह, अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, अनिमेष सिंह, निखिल सिंह, अमन राठौर, उदित आनंद, आशीष कुमार, सागर, पीयूष एवं हिमांशु सिंह समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर नदी में गिरा , चालक सहित दो घायल

जनतरंग पथदूत संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू)ः थाना क्षेत्र के रजवार- बिजवार गांव के समीप सोमवार को एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बटाने नदी की तेज धारा में जा गिरा। हादसे में ट्रैक्टर चालक सहित उसपर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये । घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें नदी के तेज बहाव से सुरक्षित बाहर निकालकर स्थानीय सीएचसी पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दोनों को एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया। घायलों की पहचान हरिहरगंज के भांवर टोला पार पहाड़ गांव निवासी नरेश यादव के पुत्र प्रमोद यादव (30) तथा स्व० बिहारी यादव के पुत्र सतेंद्र यादव उर्फ पप्पु के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक हल लगे ट्रैक्टर पर कौवाखोह से खाद लेकर अपने घर लौट रहे थे। तभी रजवार बिजवार गांव के समीप बटाने नदी पुल से पहले ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नदी में गिर गया । चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों में प्रमोद यादव की स्थिति गंभीर बताई जाती है।

संक्षिप्त समाचार

पुंडी प्रोजेक्ट के दो सीसीएलकर्मी सेवानिवृत्त, समारोह में दी भावभीनी विदाई

जनतरंग पथदूत संवाददाता कुज्जू/रामगढ़। मांडू अंचल क्षेत्र अंतर्गत पुंडी प्रोजेक्ट में सोमवार को दो सीसीएलकर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। परियोजना के यांत्रिक एवं विद्युत विभाग में कार्यरत सावना मांझी तथा एग्जीबिशन विभाग के मो. अशरफ को अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहकर्मियों ने भावभीनी विदाई दी। इस दौरान उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। समारोह की अध्यक्षता सिस्टा के कोषाध्यक्ष इलारुष उरांव ने की, जबकि संचालन जनता मजदूर संघ शाखा सचिव सह सिस्टा के क्षेत्रीय सचिव ब्रह्मदेव राम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्युत एवं यांत्रिक अभियंता ईश्वर रविदास एवं शमशाद अली मौजूद थे। अतिथियों एवं कर्मचारियों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यकाल को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि सावना मांझी और मो. अशरफ ने अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कंपनी के हित में कार्य किया। उन्होंने अपने अनुभव और कार्यकुशलता से विभागीय कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों और सहकर्मियों के साथ बनाए गए आत्मीय संबंधों को लंबे समय तक याद किया जाएगा। विदाई समारोह के दौरान सहकर्मियों ने दोनों कर्मियों के साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि नौकरी से सेवानिवृत्ति जीवन का एक पड़ाव है, लेकिन वर्षों तक साथ काम करने वाले सहकर्मियों की यादें हमेशा बनी रहती हैं। वक्ताओं ने सेवानिवृत्त कर्मियों के नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें और परिवार के साथ सुखमय जीवन बिताएं। इस अवसर पर राजेश चंद्र, ब्रह्मदेव राम (फोरमैन इंचार्ज), जयदेव मुखर्जी, भगीरथ, इलारुष उरांव, डालचंद महतो, उमेश बेसरा, हीरालाल मुर्मू, आजाद मांझी, शूकरमनी देवी, रतनी देवी, देवनारायण मांझी, टिकेंद्र महतो एवं मोहन कुमार बेदिया समेत परियोजना के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं सहकर्मी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उपहार भेंट कर उन्हें विदाई दी गई। सम्मान पाकर दोनों कर्मियों ने सहकर्मियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार जताया। समारोह का माहौल भावुक रहा। सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए वर्षों को याद करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्रवाई की मांग पर पुलिस एसोसिएशन सख्त

जनतरंग पथदूत संवाददाता धनबाद। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने धनबाद के एसएसपी को पत्र लिखकर विधायक जयराम महतो और अन्य के खिलाफ बरवाअड्डा थाना में दर्ज प्राथमिकी पर अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी मांगी है। एसोसिएशन ने 29 अगस्त को पत्र भेजकर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई का ब्योरा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। इस मामले को लेकर एसोसिएशन की बैठक एक सितंबर को होगी। कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। एसोसिएशन के पत्र के अनुसार, 22 अगस्त को बरवाअड्डा थाना में कांड संख्या 146/26 दर्ज किया गया था। प्राथमिकी बीएनएस की धारा 221, 224, 132, 351(2), 352 और 3(5) के तहत दर्ज हुई है। एसोसिएशन ने प्राथमिकी में नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी सहित सभी कानूनी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर राज्यभर के शाखा पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ आंदोलन किया जाएगा। मामला बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को विधायक जयराम महतो द्वारा फोन किए जाने से जुड़ा है। आरोप है कि बातचीत के दौरान थाना प्रभारी के साथ गाली-गलौज और धमकी दी गई। बातचीत का कथित ऑडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस एसोसिएशन ने कार्रवाई की मांग तेज कर दी। इधर, विधायक जयराम महतो भी पुलिस एसोसिएशन पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। रविवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि ईमानदार लोगों का सम्मान किया जाएगा, लेकिन भ्रष्ट लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कई मामलों का उल्लेख करते हुए तथ्य जुटाने और जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले सार्वजनिक करने की बात कही है। वहीं, विधायक पर महिला पत्रकार के साथ बदसलूकी करने और उसके कैमरे का मेमोरी कार्ड अपने पास रख लेने के आरोप को लेकर मीडिया कर्मियों में भी नाराजगी है। ऐसे में पुलिस एसोसिएशन और विधायक के बीच बढ़ते विवाद के बीच एक सितंबर की बैठक पर सभी की नजरें टिकी हैं।

संगठन की मजबूती और एकता पर जोर

जनतरंग पथदूत संवाददाता गिद्दी। सीसीएल के गिद्दी ए रेस्ट हाउस में रविवार को इनमोसा (इंडियन नेशनल माइन सेफ्टी एवं सुपरवाइजरी स्टाफ) की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रशांत बेलथरिया ने की, जबकि संचालन क्षेत्रीय सचिव मधुसूदन सिंह ने किया। बैठक में सीसीएल के बरका-सयाल, कुजू और अरगड्डा क्षेत्र से संगठन के पदाधिकारी, विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष एवं सचिव सहित कई सदस्य शामिल हुए। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत, एकजुट एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके सदस्यों की एकजुटता, पारदर्शिता और आपसी समन्वय पर निर्भर करती है। ऐसे में संगठन के भीतर उत्पन्न समस्याओं और आपसी विरोधाभासों को बातचीत के माध्यम से दूर कर संगठनात्मक एकता को मजबूत करना जरूरी है। बैठक के दौरान संगठन के रिन्यूअल, रजिस्ट्रेशन समेत अन्य संगठनात्मक प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन से जुड़े सभी कार्यों को नियमों के अनुरूप व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाना चाहिए, ताकि सदस्यों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके अलावा संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और विभिन्न क्षेत्रों एवं शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में संगठन सचिव अवधेश सिंह, सीसीएल अध्यक्ष रामराज सिंह एवं सीआईएल कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार सिंह समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि संगठन के हितों और सदस्यों की समस्याओं के समाधान के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर संगठन के व्यापक हित में सामूहिक निर्णय लेने की आवश्यकता है। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की मजबूती, पारदर्शिता और एकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित करने और सदस्यों के हितों को प्राथमिकता देने की बात कही गई। मौके पर हरेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह, सुधीर सिंह, प्रदीप सिंह, प्रदीप राम, विनोद कुमार, राजेश सिंह, नारायण प्रसाद, निकेश सिंह, सोनू ठाकुर, विकास कांत सिन्हा, शशांक सिंह, लालधारी गंझू, सैफुल्ला, पवन कुमार, राधेश्याम पाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

H1N1 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, अस्पतालों में बनेंगे आइसोलेशन वार्ड

जनतरंग पथदूत संवाददाता

रामगढ़। जिले में मौसमी इन्फ्लुएंजा एवं H1N1 (स्वाइन फ्लू) संक्रमण की संभावित स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार एवं जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट की टीम ने जिले के स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने अस्पतालों में विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के साथ ही दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच और उपचार व्यवस्था में भी तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को माइक्रो प्लान तैयार कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें चिह्नित विद्यालयों और अन्य स्थलों पर पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगी। साथ ही बच्चों और अभिभावकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर

▪ बच्चों की स्वास्थ्य जांच में तेजी, संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान व रेफरल पर जोर

उपचार के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविरों के बेहतर संचालन के लिए स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के बीच समन्वय मजबूत करने का निर्देश दिया गया है। विद्यालयों में आयोजित होने वाले शिविरों में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन की मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी। डीआरसीएचओ सह नोडल पदाधिकारी को आरबीएसके रोस्टर के अनुसार बच्चों के डेटा को फिल्टर कर चिह्नित बच्चों के उपचार एवं उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया है। अस्पतालों में अलग वार्ड रखने का निर्देश H1N1 समेत अन्य संक्रामक बीमारियों से निपटने के लिए जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने सभी एमओआईसी एवं डीएस को सामान्य वार्ड से अलग विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने का निर्देश दिया है। वार्ड में आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं, चिकित्सा उपकरण और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा गया है, ताकि संदिग्ध या संक्रमित मरीज के सामने आने पर तत्काल उपचार शुरू किया जा सके। जरूरत पड़ने पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था भी दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग का जोर संदिग्ध मामलों की शीघ्र पहचान, समय पर रिपोर्टिंग और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार पर है।

स्वास्थ्यकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण- H1N1 की पहचान, संक्रमण से बचाव, संक्रमण नियंत्रण, नमूना संग्रह, रेफरल एवं उपचार संबंधी दिशा-निर्देशों को लेकर स्वास्थ्य पदाधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में स्वास्थ्यकर्मियों को संदिग्ध मामलों की समय पर पहचान और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार रिपोर्टिंग की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को संभावित H1N1 मामलों को लेकर लगातार सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संक्रमण की स्थिति में घबराने के बजाय समय पर पहचान, रिपोर्टिंग और उचित उपचार जरूरी है। स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों और व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

भाड़ा बढ़ोतरी के विरोध में सिंदरी अंचल मार्केट के दुकानदारों का फूटा गुस्सा

दुकानें बंद रखने और आर-पार की लड़ाई की चेतावनी, प्रशासन से आदेश वापस लेने की मांग

जनतरंग पथदूत संवाददाता

सदिरी। सिंदरी नगर निगम अंचल मार्केट में सोमवार को भाड़ा बढ़ोतरी के विरोध में दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा। धनबाद नगर निगम द्वारा 25 अगस्त 2026 को जारी भाड़ा बढ़ोतरी के आदेश से नाराज दुकानदारों ने 31 अगस्त को बैठक कर विरोध जताया। इसके बाद दुकानदार सिंदरी अंचल नगर निगम कार्यालय पहुंचे और जोरदार विरोध दर्ज कराया।

इस संबंध में सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से पत्रांक SCC/26-27/41-1, दिनांक 31 अगस्त 2026 को सिंदरी नगर निगम अंचल कार्यालय को लिखित आवेदन सौंपा गया। चैंबर ने कहा कि 25 अगस्त को जारी भाड़ा बढ़ोतरी का आदेश व्यापारी हित के खिलाफ है। इससे छोटे दुकानदारों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और उनका व्यवसाय प्रभावित होगा।

दुकानदारों ने भाड़ा बढ़ोतरी के आदेश को "तुगलकी फरमान" बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विरोध स्वरूप सिंदरी अंचल मार्केट की दुकानें बंद रखी जाएंगी। साथ ही बाजार के लिए प्रभावशाली नेता का चयन करने तथा जिला स्तर के नेताओं को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। विरोध करने वालों में संजय कुमार, भारत प्रसाद, मनतेश कुमार, सत्येंद्र प्रसाद, मुन्ना, रविन्द्र प्रसाद, मो. इरफान, अभिषेक कुमार, शशि शेखर, राजू अग्रवाल, राकेश कुमार सहित करीब 18 दुकानदार शामिल थे। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि भाड़ा बढ़ोतरी का आदेश तत्काल वापस लिया जाए, ताकि छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और बाजार में व्यापार सुचारू रूप से संचालित हो सके।

जयराम बोले- ईमानदारों को सलाम, भ्रष्टाचारियों से लड़ाई आर-पार

जनतरंग पथदूत संवाददाता

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो ने पुलिस एसोसिएशन की ओर से की गई प्रेस वार्ता को लेकर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि प्रेस वार्ता के जरिए लगाए जा रहे आरोपों का जवाब वह जल्द ही तथ्यों और दस्तावेजों के साथ देंगे। जयराम महतो ने कहा कि फिलहाल थोड़ा इंतजार करने की जरूरत है। उनके अनुसार, वह संबंधित मामलों से जुड़े तथ्यों और आंकड़ों को जुटा रहे हैं और समय आने पर पूरे मामले को सार्वजनिक करेंगे। जयराम महतो ने कहा कि जो पुलिसकर्मी, अधिकारी, जमादार, सिपाही या कर्मचारी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, उन्हें उनका नमस्कार है। ईमानदार अधिकारियों और कर्मियों के सम्मान में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। लेकिन भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ उनकी लड़ाई आर-पार की होगी। उन्होंने कहा कि उनका विरोध किसी संस्था या पूरे पुलिस महकमे से नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार और गलत कार्यों से है। उन्होंने पुलिस एसोसिएशन की प्रेस वार्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी विधायक के खिलाफ मीडिया के सामने प्रेस वार्ता की जा रही है तो उसमें शामिल अधिकारियों की छवि भी साफ-सुथरी होनी चाहिए। जयराम महतो ने आरोप लगाया कि बोकारो जिले में जिन अधिकारियों को प्रेस वार्ता में सामने बैठाया गया, उनमें से कुछ के खिलाफ गंभीर मामले होने की बात सामने आई है। उन्होंने दावा किया कि कुछ अधिकारियों के बैंक खातों को सीआईडी ने ट्रेजरी घोटाले से जुड़े मामले में फ्रीज किया था। जयराम महतो ने कई अन्य गंभीर आरोपों का भी उल्लेख किया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि संबंधित मामलों को लेकर उनके पास जो तथ्य और दस्तावेज हैं, उन्हें उचित समय पर सामने रखा जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अधिकारियों से जुड़े ऐसे मामले हैं, जिनके सार्वजनिक होने पर पुलिस एसोसिएशन को असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। विधायक ने कहा कि वे फिलहाल पूरे मामले में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि प्रेस वार्ता का जवाब भी प्रेस वार्ता के माध्यम से ही दिया जाएगा और उसमें सवालों के जवाब तथ्यों के साथ रखे जाएंगे। जयराम महतो ने कहा कि वे जल्द ही लाइव आकर या प्रेस वार्ता आयोजित कर इस पूरे मामले पर अपना पक्ष विस्तार से रखेंगे। उन्होंने पुलिस एसोसिएशन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेस वार्ता करने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यदि किसी पर आरोप लगाए जा रहे हैं तो जवाब के लिए दूसरे पक्ष को भी अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह पीछे हटने वाले नहीं हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। जयराम महतो ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में पुलिस विभाग से जुड़े कुछ मामलों को लेकर वह और खुलासे कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी केवल इंतजार किया जाए। उनके अनुसार, जब वह सामने आकर तथ्यों के साथ अपनी बात रखेंगे तो पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी।

यातायात थाने का एसपी ने किया वार्षिक निरीक्षण

संध्या दर्पण संवाददाता

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुयानत ने सोमवार को रामगढ़ यातायात थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। थाना पहुंचने पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने यातायात थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव, मोटर वाहन अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाई तथा जिले में यातायात व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। एसपी ने थाना के विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन करते हुए लंबित मामलों, चालान की कार्रवाई, वाहन जांच एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष जोर देने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की गई। एसपी ने कहा कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को लगातार सक्रिय रहना होगा। सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए संवेदनशील स्थानों पर नियमित निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट समेत अन्य आवश्यक सुरक्षा नियमों का पालन कराने पर जोर दिया। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, तेज गति, गलत दिशा में वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने की बात कही। एसपी ने यातायात पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वार्षिक निरीक्षण के दौरान एसपी ने यातायात थाना की कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए यातायात पुलिस को प्रभावी प्रवर्तन के साथ-साथ लोगों के सहयोग और जागरूकता पर भी काम करना होगा। निरीक्षण के अंत में पुलिस अधीक्षक ने सड़क सुरक्षा, सुगम यातायात और यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन को लेकर अधिकारियों एवं जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बिशनपुर हाई स्कूल में एक शिक्षक के भरोसे पठन-पाठन, शिक्षकों की कमी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

यतीश कुमार पाठक जनतरंग पथदूत संवाददाता

नौडीहा बाजार (पलामू)। नौडीहा प्रखंड के बिशनपुर उच्च विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी के कारण विद्यालय का पठन-पाठन कार्य प्रभावित हो रहा है। विद्यालय में माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के लिए मात्र एक सरकारी शिक्षक उपलब्ध हैं। ऐसे में विभिन्न विषयों की पढ़ाई एक ही शिक्षक के भरोसे संचालित होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। जानकारी के अनुसार, बिशनपुर विद्यालय पहले मध्य विद्यालय के रूप में संचालित था। बाद में इसे उत्क्रमित कर उच्च विद्यालय का दर्जा दिया गया। उच्च विद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यहां माध्यमिक कक्षाओं में विद्यार्थियों का नामांकन एवं पठन-पाठन शुरू हुआ, लेकिन आवश्यक संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से समस्या लगातार बनी हुई है। विद्यालय में उच्च विद्यालय स्तर पर करीब 10 विषयों के शिक्षक पद निर्धारित हैं, जिनमें गणित, अंग्रेजी, हिंदी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत सहित अन्य विषय शामिल हैं। वर्तमान में केवल संस्कृत विषय के एक सरकारी शिक्षक ही उपलब्ध हैं। शेष विषयों के शिक्षक नहीं होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं, मध्य विद्यालय स्तर पर एक सरकारी शिक्षक जयगोविंद जी तथा तीन पारा शिक्षक कार्यरत हैं। हालांकि माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के लिए शिक्षकों की कमी पूरी नहीं हो पा रही है। विद्यालय से जुड़े लोगों का कहना है कि शिक्षकों की कमी के संबंध में कई बार जिला शिक्षा अधीक्षक और पलामू उपायुक्त को पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया है। शिक्षा विभाग की बैठकों में भी शिक्षकों की नियुक्ति का मुद्दा उठाया गया, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से बिशनपुर उच्च विद्यालय में सभी आवश्यक विषयों के शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारु रूप से संचालित हो सके।

बोरवाटांड़ में नया ट्रांसफॉर्मर, ग्रामीणों को मिली राहत

जनतरंग पथदूत संवाददाता

गोला। प्रखंड अंतर्गत कमता गांव के बोरवाटांड़ टोला में लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर की समस्या का समाधान हो गया। ग्रामीणों की मांग पर रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि सह रामगढ़ विधानसभा के युवा नेता राजीव जायसवाल की पहल पर 100 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराया गया। सोमवार को राजीव जायसवाल ने विधिवत उद्घाटन कर ट्रांसफॉर्मर ग्रामीणों को समर्पित किया। नया ट्रांसफॉर्मर लगने के बाद टोला के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। बताया गया कि बोरवाटांड़ टोला में पुराना ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण कई दिनों से बिजली आपूर्ति प्रभावित थी। इससे ग्रामीणों को घरेलू कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो रही थी। ग्रामीणों ने अपनी समस्या से राजीव जायसवाल को अवगत कराया था। समस्या की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विभागीय स्तर पर पहल करते हुए नया ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराने का प्रयास किया। इसके बाद 100 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। उद्घाटन के मौके पर राजीव जायसवाल ने कहा कि जनता की सेवा करना उनके लिए केवल राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की किसी भी समस्या को अपनी समस्या समझकर उसके समाधान के लिए प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा, "जनता की हर समस्या में नेता नहीं, बेटा बनकर खड़े रहेंगे। आपकी तकलीफ हमारी अपनी तकलीफ है। जब तक क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।" उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाना नहीं है। जनता को जब भी किसी तरह की परेशानी हो, उस समय उनके साथ खड़ा रहना ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि गांवों में बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ संबंधित विभाग एवं अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा। समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा। राजीव जायसवाल ने कहा कि जनता का विश्वास और स्नेह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। ग्रामीणों ने जिस भरोसे के साथ अपनी समस्या उनके सामने रखी, उस विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। नया ट्रांसफॉर्मर लगने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली की समस्या के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। अब नया ट्रांसफॉर्मर लग जाने से नियमित बिजली आपूर्ति की उम्मीद जगी ग्रामीणों ने पहल के लिए राजीव जायसवाल का आभार जताया। मौके पर गोला मंडल सांसद प्रतिनिधि प्रीतम झा, भाजपा रजरप्पा मंडल महामंत्री ललन किशवाहा, दिनेश डांगी, सुकेन्द्र साव, चंदन साव, कांशी दांगी, सुमन दांगी, संदीप दांगी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य लोग मौजूद थे।

हुसैनाबाद प्रखंड समन्वयक के असमायिक निधन पर, जल सहिया संघ ने आयोजित की शोक सभा

जनतरंग पथदूत संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। जल सहिया संघ, हुसैनाबाद इकाई के तत्वावधान में हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित पंच सरोवर मंदिर के प्रांगण में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। यह शोक सभा हुसैनाबाद के जल सहिया प्रखंड समन्वयक जय प्रकाश कुमार सिंह के असामयिक निधन पर आयोजित की गई। इस शोक सभा में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय जय प्रकाश कुमार सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही, शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। कार्यक्रम में कनीय अभियंता वीरेंद्र कुमार सिंह, जल सहिया प्रखंड अध्यक्ष सबिता देवी, मालती देवी प्रखंड सचिव बैकुंठ शर्मा, ब्रजेश सिंह, विजय मेहता, अभिषेक कुमार, धर्मेंद्र पासवान, अरविंद कुमार, गुड्डू मेहता, प्रियंका देवी, शबाना सुल्ताना, मीना देवी, पूजा देवी, सरिता देवी,ममता सिन्हा, कांति देवी, संजू देवी एवं शांति देवी सहित जल सहिया संघ के सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि जय प्रकाश कुमार सिंह का असामयिक निधन जल सहिया परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं सहयोग को हमेशा याद किया जाएगा। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।अंत में सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिवार एवं परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात् वास्तविक ज्ञान। यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं। अध्यात्म विद्या और भौतिक शिक्षा के मौलिक अंतर को रेखांकित करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने कहा कि शिक्षा 'शिक्ष' धातु से बनी है, जिसका अर्थ अनुकरण द्वारा सीखना है। इसका दायरा इंद्रियों और मन-बुद्धि तक सीमित है। इसके विपरीत, 'विद्' धातु से बनी विद्या का अर्थ आत्मा की गहराई से प्रकट होने वाला वास्तविक ज्ञान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा अहंकार उत्पन्न कर सकती है, जबकि अध्यात्म विद्या का पहला गुण विनम्रता है जो मानव को निष्काम कर्मयोगी बनाती है। वर्तमान समय में अध्यात्म विद्या के अभाव के कारण ही समाज में अशांति है। तत्वदर्शी संत आज भी समाज को सही दिशा देने के लिए उपलब्ध हैं।

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, सरकार कब बनाएगी डिजिटल नीति ?

कांतिलाल मांडोत

- स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है।

राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है।

यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है। बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है। चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है। बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है। यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं। आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा। बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए। किताबों से कल्पना की दुनिया बनानी चाहिए। कला, संगीत, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियां बच्चे के व्यक्तित्व को विस्तार देती हैं। मोबाइल की स्क्रीन इन अनुभवों का विकल्प नहीं बन सकती। यदि बचपन का बड़ा हिस्सा आभासी दुनिया में गुजरने लगे तो सामाजिक व्यवहार, संवाद क्षमता और वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अनुभव प्रभावित हो सकता है। आज की सुविधा कल की कमजोरी न बन जाए, इसकी चिंता अभी से करनी होगी। दुनिया के कई देशों में बच्चों और सोशल मीडिया के संबंध को लेकर सरकारें नए नियमों पर काम कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर आयु आधारित प्रतिबंध लागू किया गया है। कई यूरोपीय देशों में स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल सीमित करने पर जोर दिया गया है। चीन में नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने के समय को नियंत्रित किया गया है। दक्षिण कोरिया में अत्यधिक इंटरनेट और स्मार्टफोन निर्भरता से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श की व्यवस्था की गई है। भारत में परिस्थितियां अलग हैं। यहां परिवार, समाज, शिक्षा और संस्कृति की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए किसी दूसरे देश का मॉडल ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि समस्या को अनदेखा किया जाए। राजस्थान को डिजिटल नीति बनानी होगी।राजस्थान में बच्चों के लिए एक स्पष्ट डिजिटल सुरक्षा नीति की जरूरत है। स्कूलों में स्मार्टफोन मुक्त कक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन गोपनीयता, साइबर उत्पीड़न, गलत सूचना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर दी जा सकती है। शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें डिजिटल जोखिमों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जिन बच्चों को तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल से परेशानी हो रही हो, उनके लिए विद्यालय स्तर पर परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है।

इसके साथ ही स्कूलों में पुस्तकालयों को सक्रिय करना होगा। बच्चों को केवल किताब खरीदने की सलाह देने से पढ़ने की आदत नहीं बनेगी। पुस्तक चर्चा, कहानी लेखन, वाचन, खेल, विज्ञान प्रयोग, कला और परियोजना आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। बच्चे को मोबाइल से हटाने के लिए उसके सामने बेहतर विकल्प भी रखने होंगे। बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह काट देना व्यावहारिक समाधान नहीं है। डिजिटल दुनिया से परिचित होना आज की आवश्यकता भी है। सवाल यह है कि बच्चा तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है या तकनीक बच्चे के व्यवहार को नियंत्रित कर रही है। सरकार को उम्र के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन व्यवहार के स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों पर पहरा लगाने से अधिक जरूरी है उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से चलना सिखाना। आज मोबाइल हाथ में है, कल यही बच्चे देश का भविष्य संभालेंगे। इसलिए चिंता केवल इस बात की नहीं होनी चाहिए कि बच्चा कितने घंटे मोबाइल चला रहा है। असली सवाल यह है कि मोबाइल उसके समय, सोच, व्यवहार और रिश्तों के साथ क्या कर रहा है। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एक बुद्धिमान व्यक्ति के प्रश्न में ही आधा उत्तर छिपा रहता है।
-सोलोमन इब्न गेबिरोल

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
-अमरीकी कहावत

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थीः सूर्योदय से सुबह 07:42 बजे तक। पंचमीः सुबह 07:42 बजे से लेकर अगले दिन (2 सितंबर) की सुबह 06:12 बजे तक रहेगी। (शुभ समय): दोपहर 11:55 बजे से 12:46 बजे तक, अमृत कालः शाम 07:42 बजे से रात 09:15 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

सिंह राशि के सूर्य के प्रभाव से बच्चा साहसी, स्वाभिमानी और जन्मजात लीडर बनेगा। उसमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होगी। बच्चा महत्वाकांक्षी और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहेगा। प्रबंधन, प्रशासनिक सेवा, चिकित्सा, या उद्यमिता के क्षेत्र में सफलता मिलने के योग रहेंगे।

मेष राशिः आज सामने आई सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हाथ लगेगी।

वृष राशिः किसी काम को करने में आज जल्दबाजी करने से बचें।

मिथुन राशिः शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट भी जा सकते हैं।

कर्क राशिः आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

सिंह राशिः स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा। सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या राशिः कई दिनों से आपकी तरक्की में आ रही रुकावटें आज दूर हो जाएंगी।

तुला राशिः जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा।

वृश्चिक राशिः आज धार्मिक कार्यों में जीवनसाथी के साथ जाने का मन बनाएंगे।

धनु राशिः कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर राशिः नवविवाहित दंपत्ति आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

कुंभ राशिः कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आपकी पेंटिंग सबको पसंद आएगी।

मीन राशिःआज व्यापार में आर्थिक लाभ की संभावना बनी हुई है।

शांति के लिए नारायणोपनिषद की विशेषताएं

संजय गोस्वामी

आज युद्ध नेपाल में आपदा के कारण दुःख का माहौल है इस माहौल में मानवता सेवा और शांति की आवश्यकता है जिसके लिए भगवान नारायण से हाथ जोड़ कर विनती करते हैं आप इस पीड़ा को हरे इसका वर्णन नारायणोपनिषद में है नारायणोपनिषद कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित एक लघु और महत्वपूर्ण उपनिषद है, जो संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें भगवान नारायण को ही परम ब्रह्म, सर्वव्यापक परमात्मा और सृष्टि का मूल आधार बताया गया है। नारायणोपनिषद का मूल संस्कृत पाठ कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित है और इसमें भगवान नारायण को सर्वोच्च माना गया है। मूल पाठ का सार यह है कि मंत्र (1-12) के श्लोक भगवान नारायण के सर्वव्यापकता का वर्णन करते हैं, जो हृदय के भीतर सूक्ष्म अग्नि के रूप में स्थित हैं। इसमें नारायण की महिमा बताई गई हैः नारायण को सर्वव्यापक, अजन्मा और विश्व का आधार बताया गया है, जो ॐ नमो नारायणाय मंत्र का केंद्र हैं। फलश्रुति (अंतिम भाग): इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त होकर नारायण सायुज्य प्राप्त करता है। मुख्य विशेषताएं सर्वव्यापकताः इस उपनिषद के अनुसार ब्रह्मा, शिव, इंद्र और संपूर्ण जगत नारायण ही हैं। अष्टाक्षर मंत्रः इसमें ॐ नमो नारायणाय इस आठ अक्षर वाले महामंत्र और उसके जप के महात्म्य का वर्णन है। मोक्ष प्राप्तिः इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त रूप विष्णु स्वरूप (नारायण सायुज्य) को प्राप्त करता है जो भगवान नारायण शाश्वत हैं। ब्रह्माजी भी नारायण हैं। भगवान निशि और दाराज भी नारायण हैं। समय और दिशाएँ भी नारायण हैं। दिशाएँ (दिशाओं के समुद्र तट) भी नारायण हैं। ऊपरी भाग भी नारायण है और निचला भाग भी नारायण है। इसलिए, बाहरी व्यक्ति भी नारायण है। जो कुछ भी हुआ है, जो हो रहा है और जो होने वाला है, वह सब भगवान नारायण ही हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, आनंदमयी, बिना किसी विकल्प के, अवर्णनीय और शुद्ध देवता हैं। भगवान रुद्र का जन्म नारायण से हुआ है। नारायण के माध्यम से ही डेराज प्रकट हुए। नारायण के पेज भी अनुभव में आई। राजा अनादित्य का जन्म नारायण से हुआ। भगवान नारायण से बारह रुद्र, असिसु और संपूर्ण श्लोक प्रकट हुए। नारायण से प्रेरित होकर, हर कोई अपने-अपने काम में शामिल हो जाता है और एकमात्र भगवान नारायण में ही शामिल हो जाता है। यह ऋग्वैदिक उपनिषद का वर्णन है। ॐ। नारायण ही ब्रह्मा हैं, नारायण ही निशि हैं, नारायण ही इन्द्र हैं, नारायण ही आकाश और पृथ्वी हैं। नारायण ही काल हैं, नारायण ही नाद हैं। नारायण ही ऊर्ध्व (ऊपर) हैं, नारायण ही अधः (नीचे) हैं, नारायण ही बाहर हैं। नारायण ही शिव हैं। जो भूतकाल में था और जो भविष्य में होगा, वह सब नारायण ही हैं। वे निश्चल (बिना टुकड़ों के), निरंजन (दोषरहित), निर्विकल्प (बिना किसी विकल्प के), शुद्ध और एकमात्र नारायण हैं। वे ही विष्णु हैं, वे ही विष्णु हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, मनोरंजन-अनिवार्य, निर्विकार, अवर्णनीय और शुद्ध देव हैं। अ, उ और म इन तीन मात्राओं से यह प्रत्यक्ष (ओंकार) स्वरूप आनंदमय और ब्रह्मपुरुष का प्राण-रूप है। ये अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें से तीन मात्राओं के अद्भुत रूप को ही ओम कहा जाता है। इस ओम मंत्र का जाप करने से योगी-साधक जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति ओम नमो नारायणाय मंत्र का जाप करता है, वह वैकुंठ धाम जाता है। इसी वैकुंठ धाम को पुण्डरीक (हृदय-कमल) के रूप में जाना जाता है। वैसे, इसका स्वरूप परम प्रकाशमय और बिजली के समान है। ब्रह्ममय देवकीनंद भगवान श्री कृष्ण ही ब्राह्मण यानी ब्राह्मणों के आराध्य हैं। मधुसूदन, पुण्डरीकाक्ष और विष्णु-ये सभी अचूक और अज्ञानी हैं। हर आत्मा में केवल भगवान नारायण ही निवास करते हैं। वे सभी गुण के मूल (कारण-पुरुष) होने पर भी स्वयं कारण-रहित हैं। वे ही परम पुरुष हैं। पवित्र अक्षर ॐ के रूप में प्रकट होने से इस सार का अध्ययन और भोर में इस उपनिषद के पाठ से रात में पाप धोए जाते हैं। दोनों साध्य-कालों (भोर और शाम) में इसका पाठ करने से साधक पापों से मुक्त हो जाते हैं, यहाँ तक कि पिछले जन्मों के पापों से भी। दो में सूर्य देव की ओर से इसका पाठ करने से मनुष्य पाँच महापापों (*महापातक*) और छोटे पापों (*उपपातक*) से सदा के लिए मुक्त हो जाता है। इससे चारों वेदों के पाठ का पुण्य प्राप्त होता है और नश्वर शरीर त्यागने पर भगवान नारायण के साथ शाश्वत मिलन (*सायुज्य*) प्राप्त होता है। जो इस सत्य को जानता है, वह भी भगवान नारायण में अवतरित होता है। ||5|| हे भगवान! आप सत्य, निजी और आनंद के स्वरूप हैं! मेरी वाणी मेरे मन में स्थित हो और मेरा मन मेरी वाणी में स्थित हो।

आरोपों के चक्रव्यूह में उलझती स्वस्थ राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

वर्तमान में राजनीतिक चर्चाओं में जिस प्रकार का शोर सुनाई दे रहा है, वह सत्य का दबाने का एक प्रयास कहा जाए तो उचित ही होगा। क्योंकि राजनीति केवल आरोप लगाने तक सीमित नहीं होती, राजनीति तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। हम जानते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं को समझने, राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने और समाज के सामने बेहतर विकल्प प्रस्तुत करने का माध्यम भी है। इसलिए राजनीति जितनी स्वस्थ, सकारात्मक और रचनात्मक होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। लेकिन आज की राजनीतिक परिस्थितियों को देखकर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी राजनीति अपने मूल उद्देश्य की ओर बढ़ रही है?

आज राजनीतिक विमर्श में सकारात्मक मुद्दों की अपेक्षा आरोप-प्रत्यारोप अधिक दिखाई देते हैं। सत्ता पक्ष विपक्ष पर आरोप लगाता है और विपक्ष उससे भी अधिक तीखे आरोपों के साथ जवाब देता है। आरोपों का यह सिलसिला इतना बढ़ गया है कि कई बार मूल मुद्दे ही पीछे छूट जाते हैं। जनता यह जानना चाहती है कि उसके जीवन से जुड़े प्रश्नों का समाधान क्या है, रोजगार के अवसर कैसे बढ़ेंगे, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था कैसे बेहतर होगी, किसानों की आय और युवाओं के भविष्य को कैसे सुरक्षित किया जाएगा, अर्थव्यवस्था को गति कैसे मिलेगी और देश विकास की नई ऊंचाइयों तक कैसे पहुंचेगा। लेकिन इन प्रश्नों के स्थान पर राजनीतिक बहस अक्सर इस बात में उलझ जाती है कि किसने किस पर क्या आरोप लगाया। सबसे गंभीर चिंता तब पैदा होती है, जब आरोप लगाए जाते हैं लेकिन उनके प्रमाण सामने नहीं रखे जाते। किसी व्यक्ति, संस्था या राजनीतिक दल पर गंभीर आरोप लगाना आसान है, लेकिन उसे प्रमाणित करना कठिन। लोकतंत्र में किसी पर आरोप लगा देना ही सत्य का प्रमाण नहीं हो सकता। आरोप यदि तथ्य पर आधारित है तो उसके समर्थन में तथ्य भी सामने आने चाहिए। यदि आरोप के पीछे कोई ठोस आधार नहीं है तो केवल राजनीतिक लाभ के लिए उसे सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। राजनीति में शब्दों का बहुत महत्व होता है। एक सामान्य व्यक्ति द्वारा कही गई बात और किसी बड़े राजनीतिक नेता द्वारा कही गई बात के प्रभाव में जमीन-आसमान का अंतर होता है। नेता का एक बयान लाखों लोगों तक पहुंचता है और समाज में धारणा बनाता है। इसलिए सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। उन्हें बोलने से पहले सोचना चाहिए कि उनके शब्दों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण रहे हैं, जब नेताओं ने बाद में अपने आरोपों के लिए खेद व्यक्त किया या माफी मांगी। यह स्वीकार करना कि किसी आरोप में भूल हुई, लेकिन बेहतर स्थिति यह होगी कि आरोप लगाने से पहले ही उसकी पूरी पड़ताल कर ली जाए। तथ्य की पुष्टि के बाद ही सार्वजनिक मंच से कोई बात कही जाए। इससे न केवल राजनीति की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। दुर्भाग्य से आज राजनीति में कई बार विरोध ही राजनीति का पर्याय बनता दिखाई देता है। सरकार कोई निर्णय ले तो उसका विरोध करना, विपक्ष कोई सुझाव दे तो उसे खारिज करना, यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है। विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है, लेकिन विरोध का अर्थ हर बात का विरोध नहीं हो सकता। स्वस्थ लोकतंत्र में असहमति होनी चाहिए, लेकिन असहमति के साथ तर्क भी होना चाहिए और विकल्प भी। यदि किसी सरकारी योजना में कमी है तो विपक्ष को केवल यह नहीं बताना चाहिए कि योजना गलत है। उसे यह भी बताना चाहिए कि वह सत्ता में होता तो उस समस्या का समाधान कैसे करता। इसी प्रकार सत्ता पक्ष को भी विपक्ष की प्रत्येक बात को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उसमें मौजूद उपयोगी सुझावों पर विचार करना चाहिए। लोकतंत्र में श्रेष्ठ विचार सत्ता और विपक्ष दोनों के बीच से निकल सकते हैं। आज देश का युवा इस पूरी राजनीतिक प्रक्रिया को बहुत बारीकी से देख रहा है। तकनीक ने सूचना की दुनिया को बदल दिया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से युवा कुछ ही क्षणों में किसी बयान, दावे या आरोप की पड़ताल कर सकता है। वह विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करता है, तथ्यों की तुलना करता है और अपनी राय बनाता है। इसलिए अब केवल भाषणों के माध्यम से लंबे समय तक जनता को भ्रमित करना संभव नहीं है। निश्चित रूप से गलत सूचना कुछ समय के लिए भ्रम पैदा कर सकती है, लेकिन सत्य को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। आज की पीढ़ी सवाल करती है कि इसका स्रोत क्या है? प्रमाण क्या है? आंकड़े क्या कहते हैं? वास्तविकता क्या है? यही सवाल लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत हैं। राजनीतिक दलों को भी इस बदलती हुई जनचेतना को समझना होगा। राजनीति को यह स्वीकार करना होगा कि जनता अब केवल यह सुनना नहीं चाहती कि सामने वाला कितना गलत है। वह केवल भाषण नहीं, कार्ययोजना चाहती है। वह केवल आरोप नहीं, समाधान चाहती है।

इसलिए समय आ गया है कि राजनीतिक दल अपनी राजनीति की दिशा पर गंभीरता से विचार करें। दूसरों के दोष गिनाने से पहले अपने गिरेबान में झांकने की आदत विकसित करनी होगी। जिस राजनीतिक दल को लगता है कि उसके पास बेहतर विचार हैं, उसे उन विचारों को जनता के सामने रखना चाहिए। उसे बताना चाहिए कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, पर्यावरण, महिला सुरक्षा, युवा विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर उसकी स्पष्ट नीति क्या है। देश को ऐसी राजनीति चाहिए जिसमें प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन प्रतिस्पर्धा विचारों की हो। यही सकारात्मक राजनीति है। नकारात्मक राजनीति तत्काल राजनीतिक लाभ दे सकती है, लेकिन दीर्घकाल में वह लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाती है। लगातार आरोपों से राजनीति का स्तर गिरता है और जनता के मन में यह धारणा बनने लगती है कि राजनीतिक दलों के पास एक-दूसरे को दोष देने के अलावा कोई ठोस एजेंडा नहीं है।

ऐसी धारणा लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। राजनीति में आलोचना अवश्य होनी चाहिए, लेकिन आलोचना का उद्देश्य सुधार होना चाहिए, अपमान नहीं। प्रश्न अवश्य पूछे जाने चाहिए, लेकिन प्रश्नों के साथ तथ्य भी होने चाहिए। आरोप लगाए जाएं तो प्रमाण के साथ। असहमति हो तो तर्क के साथ। और यदि कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करने का साहस भी होना चाहिए। देश इस समय अनेक अवसरों और चुनौतियों के बीच खड़ा है। वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था, तकनीक, विज्ञान, रक्षा, शिक्षा और युवा शक्ति के क्षेत्र में नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। ऐसे समय में हमारी राजनीतिक ऊर्जा यदि केवल आरोप-प्रत्यारोप में खर्च होती रही तो यह देश के हित में नहीं होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन देश स्थायी होता है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, राजनीतिक समीकरण बदलते रहते हैं, लेकिन भारत की यात्रा निरंतर चलती रहती है। इसलिए राजनीति का अंतिम लक्ष्य सत्ता नहीं, राष्ट्रहित होना चाहिए। जनता को भी ऐसी राजनीति के लिए प्रोत्साहित करना होगा जो तथ्यों पर बात करे, समाधान प्रस्तुत करे और समाज को जोड़ने का काम करे। नेताओं को भी यह समझना होगा कि जनता केवल तालियां बजाने के लिए नहीं, बल्कि अपने भविष्य का निर्णय करने के लिए उन्हें सुनती है। अब समय आरोपों के शोर से बाहर निकलने का है। समय है कि राजनीति अपने वास्तविक उद्देश्य की ओर लौटे। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों के साथ भविष्य की योजनाएं बताए और विपक्ष आलोचनाओं के बजाय वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करे। दोनों पक्ष जनता को यह विश्वास दिलाएं कि राजनीति केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की साझा जिम्मेदारी है। झूठ कुछ समय के लिए चर्चा पैदा कर सकता है, लेकिन सत्य ही स्थायी विश्वास बनाता है। इसलिए भारतीय राजनीति को आरोपों की राजनीति से ऊपर उठकर प्रमाण, तर्क, नीति और सकारात्मक सोच की राजनीति को अपनाना होगा। देश को नकारात्मकता नहीं, नई ऊर्जा चाहिए। देश को आरोप नहीं, समाधान चाहिए। विरोध के लिए विरोध नहीं, स्वस्थ संवाद चाहिए। और सबसे बढ़कर देश को ऐसी राजनीति चाहिए जो सत्ता से पहले राष्ट्र और राजनीति से पहले जनहित को रखे। (वरिष्ठ पत्रकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

ललित गर्ग

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घट

जलमार्ग पर विकास की नई तस्वीर, पत्रकारों ने किया कोच्चि वाटर मेट्रो का सफर

जनतरंग पथदूत संवाददाता

कोच्चि/रांचीः केरल के विकास मॉडल को समझने के लिए राज्य के दौरे पर पहुंचे पत्रकारों ने सोमवार को कोच्चि वाटर मेट्रो में सफर किया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को करीब से देखा। बिजली से चलने वाली नावों के जरिए वाटर मेट्रो कोच्चि शहर को आसपास के कई द्वीपों से जोड़ती है। सफर के दौरान पत्रकारों ने वाटर मेट्रो की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात की आसान व्यवस्था को देखा। वाटर मेट्रो के 15 रूट हैं, जो 75 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसके जरिए फोर्ट कोच्चि, वायपिन, वाइटिला और कक्कनाड जैसे प्रमुख इलाकों को जोड़ा गया है। वाटर मेट्रो को मेट्रो रेल, बस और परिवहन के दूसरे साधनों से जोड़ना इसकी खासियत है। इससे लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलती है और सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। बिजली से चलने वाली नावों के कारण यह व्यवस्था पर्यावरण के लिए भी बेहतर विकल्प है। वाटर मेट्रो जैसी व्यवस्था को सफल बनाने के लिए पर्याप्त जलमार्ग, अच्छी सुविधाएं और भरोसेमंद नावें जरूरी हैं। इसके साथ नावों का सुरक्षित संचालन, समय-समय पर रखरखाव और आम लोगों के लिए उचित किराया भी जरूरी है। मेट्रो और बस जैसी दूसरी परिवहन सेवाओं से बेहतर जुड़ाव और स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजना बनाना भी इसके लिए महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों ने दी वाटर मेट्रो की जानकारी-मीडिया टीम को कोच्चि वाटर मेट्रो परियोजना के बारे में अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान केएमआरएल के निदेशक (प्रोजेक्ट्स) डॉ. एम. पी. राम नवास, कोच्चि वाटर मेट्रो के मुख्य महाप्रबंधक शाजी पी. जनार्दनन, मुख्य वित्त अधिकारी रेनजिनी आर. तथा महाप्रबंधक एवं मुख्य संचालन अधिकारी जो पॉल एम. मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाटर मेट्रो के निर्माण, संचालन, रूट, सुविधाओं और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वाटर मेट्रो कोच्चि शहर और आसपास के द्वीपों के बीच आने-जाने की सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मट्टनचेरी की ऐतिहासिक विरासत देखी-वाटर मेट्रो की यात्रा के बाद पत्रकारों ने कोच्चि के ऐतिहासिक इलाके मट्टनचेरी का भ्रमण किया। यहां उन्होंने पुराने भवनों, बाजारों, मसालों की दुकानों और यहां की संस्कृति को करीब से देखा। मट्टनचेरी अपने पुराने भवनों, संकरी गलियों, मसाला बाजारों और पुराने समय की इमारतों के लिए प्रसिद्ध है। पत्रकारों ने मट्टनचेरी पैलेस, जिसे डच पैलेस भी कहा जाता है, ज्यू टाउन और ऐतिहासिक परदेसी सिनेगॉग का भी दौरा किया। मट्टनचेरी कभी मसाला व्यापार का बड़ा केंद्र था। आज यह केरल के प्रमुख पर्यटन और ऐतिहासिक स्थलों में शामिल है। यहां की पुरानी इमारतें, बाजार और अलग-अलग संस्कृतियों की झलक पर्यटकों को आकर्षित करती है। पीआईबी की ओर से आयोजित इस प्रेस टूर में गौरव कुमार पुष्कर, प्रिंस कुमार, श्रेयशी मिश्रा, सनी कुमार, रुचि शर्मा, डॉ. दिव्यांशु कुमार, प्रवीण कुमार, एमआई न्यूज के रविकांत मिश्रा, ओमप्रकाश, सुनील कुमार सहित अन्य पत्रकार शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

चैनपुर बनेगा मछली हब

जनतरंग पथदूत संवाददाता, चैनपुरः बरवेनगर बड़ा तालाब सहीत पांच तालाब में रेहू मछली के जीरा बीज झामुमो के जिला सह सचिव एवं बिसूत्री सदस्य शकील खान के द्वारा डाला गया बरवे नगर अब मछली पालन (मत्स्य पालन) व्यवसाय तेजी से मुनाफे का नया जरिया बनता जा रहा है। हाल ही में सरकार द्वारा जारी आंकड़ों और बजटीय घोषणाओं के अनुसार,मछली उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरे नंबर का देश बन चुका है। वहीं बरवे नगर में मछली उत्पादन को अधिक से अधिक बढ़ावा देनें के लिए झामुमो के जिला सह सचिव एवं बिसूत्री सदस्य शकील खान के द्वारा मछली का बीज लगाया जा रहा है ताकी चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र को मछली का हब के नाम से जाना जाए ताकी चैनपुर के किसान मछली व्यवसाय के क्षेत्र में आगे आए।बता दें कि चैनपुर क्षेत्र का मछली खानें में बहुत ही स्वादिष्ट होता है और चैनपुर क्षेत्र के मछली का बाजार में बहुत ही ज्यादा डिमांड है। चैनपुर बरवेनगर पंचायत चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र का सबसे बड़ा मछली उत्पादक क्षेत्र है जिस ओर सरकार एवं विभाग को भी ध्यान देने कि आवश्यकता है। मौके पर ग्राम प्रधान जोसफ खलखो,अखतर खान,राज ज्ञास खान सहीत अन्य लोग थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की बैठक से कई अधिकारी रहे गैरहाजिर, पीडीजे ने जताई नाराजगी

जनतरंग पथदूत संवाददाता, सिमडेगा। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सोमवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन को लेकर विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकांश अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर पीडीजे ने नाराजगी जताई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से अपर समाहर्ता, वन प्रमंडल पदाधिकारी, भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, परिवहन पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, उत्पाद अधीक्षक और विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को बैठक में शामिल होने के लिए पत्र भेजा गया था। हालांकि, अपर समाहर्ता गिरजा शंकर महतो और उत्पाद अधीक्षक ही उपस्थित हुए। पीडीजे ने लोक अदालत के लिए विभागों को सुलहनीय मामलों को पहले से चिह्नित कर आवश्यक तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया। नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता को सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर निष्पादन योग्य मामलों की समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में एडीजे नरंजन सिंह, सीजेएम निताशा बारला, सचिव मरियम हेमरोम समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होगी।

केरसई मंडल में भाजपा की संगठनात्मक बैठक SIR को लेकर कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

जनतरंग पथदूत संवाददाता, केरसई। भारतीय जनता पार्टी केरसई मंडल की संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष विकास कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रत्येक शक्ति केंद्र में प्रदेश भाजपा द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में विशेष रूप से SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर चर्चा हुई। मंडल अध्यक्ष ने सभी बूथ अध्यक्षों एवं BLA-2 को मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से नहीं छूटना चाहिए। कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रिय होकर नए पात्र मतदाताओं के नाम नियमानुसार जुड़वाने के लिए पहल करने को कहा गया। बैठक में बूथ स्तर पर मतदाता सूची की जांच, नए मतदाताओं को जोड़ने, नाम में सुधार तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची का अवलोकन करने और पात्र लोगों को पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी देने की अपील की गई। संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और शक्ति केंद्रों एवं बूथ स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि मजबूत बूथ संगठन पार्टी की आधारभूत ताकत है। बैठक में BLA-1 तुलसी कुमार साहू, जिला महामंत्री रवि गुप्ता, पूर्व प्रत्याशी श्रद्धानंद बेसरा, जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैकरा, सूरज मिश्रा सहित मंडल पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, BLA-2 एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक घायल

जनतरंग पथदूत संवाददाता

डुमरी (गुमला)। डुमरी थाना क्षेत्र के नवाडीह-चैनपुर मार्ग पर ख्रीस्तनगर (बेलगांव मोड़) के समीप सोमवार को मंत्री बस और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी में चल रहा है। घटना के बाद बस चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया जिसे पुलिस ने जैरागी के पास पकड़कर जब्त किया और हुटाप पिकेट में रखा है। मृतकों की पहचान रनवीर खेरवार, ग्राम जूरमु और प्रिंस पोल तिग्गा, ग्राम हिसरी के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान अक्षय कुजूर, ग्राम नौहट्टा के रूप में की गई है। तीनों की उम्र करीब 18 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार तीनों युवक चैनपुर कॉलेज के छात्र थे। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर चैनपुर कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान ख्रीस्तनगर स्थित बेलगांव मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रही मंत्री नामक बस से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो युवकों को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं अक्षय कुजूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में एक मृतक के सिर में गंभीर चोट आई जिससे सिर पूरी तरह कुचल गया है जबकि दूसरे मृतक के भी सिर पर गहरी चोट लगी है। घायल अक्षय कुजूर के सिर और हाथ में गंभीर चोट आई है जिसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डुमरी में चल रहा है। वहीं मृतक की बाईक अधिक क्षतिग्रस्त नहीं हुई है। घटना की सूचना राहगीरों ने डुमरी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दुर्घटना में शामिल मंत्री नामक बस को अपने कब्जे में ले ली है।

सीनियर हॉकी चैंपियनशिप के तीसरे दिन खेले गए आठ मुकाबले

जनतरंग पथदूत संवाददाता

सिमडेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी झारखंड के मार्गदर्शन में हॉकी सिमडेगा एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21वीं मेजर ध्यानचंद सीनियर सिमडेगा जिला महिला एवं पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दिन कुल आठ मुकाबले खेले गए। इनमें महिला वर्ग के तीन और पुरुष वर्ग के पांच मैच शामिल रहे। महिला वर्ग में सीओई सिमडेगा-ए ने एसटीसी सिमडेगा को 3-0, सीओई सिमडेगा-बी ने एसटीसी लचरागढ़ को 1-0 तथा टाटा सीआईएनआई जलडेगा ने कोचेडेगा स्कूल को 8-0 से हराया। पुरुष वर्ग में सेंट मेरीज स्कूल सामटोली ने टाटा सीआईएनआई जलडेगा को 8-0 से करारी शिकस्त दी। वहीं सेंट अन्ना सामटोली-ए ने पुलिस केंद्र सिमडेगा को 2-0 से पराजित किया। आदिवासी हॉस्टल ने गोंडवाना ब्रदर्स को 4-0 से हराया। रेंगारी और सेंट अन्ना सामटोली-बी के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। एक अन्य मुकाबले में मुरिया ने ताराबोगा को 3-0 से मात दी। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह देखने को मिल रहा है। महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर जिले में हॉकी की प्रतिभा को नई पहचान देने के लिए मैदान पर जोर लगा रहे हैं।

दिल्ली फतह कर लौटीं गुमला की बेटियां, संत पैट्रिक विद्यालय में हुआ भव्य अभिनंदन

» 65वीं सुब्रतो मुखर्जी कप अंडर-17 बालिका वर्ग की राष्ट्रीय विजेता टीम का सम्मान, उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो और विधायक भूषण तिर्की ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

» मिजोरम की एनसीसी टीम को 2-0 से हराकर गुमला ने तीसरी बार अपने नाम किया राष्ट्रीय खिताब

जनतरंग पथदूत संवाददाता

गुमला। झारखंड की खेल प्रतिभाओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का परचम लहराया है। 65वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप के अंडर-17 बालिका वर्ग में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रही संत पैट्रिक उच्च विद्यालय, गुमला की बेटियों ने राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। नई दिल्ली के डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्टेडियम में 27 अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले में गुमला की टीम ने मिजोरम की एनसीसी टीम को 2-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद सोमवार को संत पैट्रिक विद्यालय परिसर में विजेता टीम के सम्मान एवं अभिनंदन के लिए विशेष समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर गुमला और झारखंड का नाम रोशन कर लौटीं खिलाड़ियों का विद्यालय परिसर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो तथा गुमला विधायक भूषण तिर्की ने विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। विद्यालय परिवार, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं तथा जिला प्रशासन के पदाधिकारियों ने भी राष्ट्रीय विजेता टीम की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों का अभिनंदन किया।

"गुमला ने फिर साबित किया कि यह खेल नगरी है" : विधायक भूषण तिर्की-गुमला विधायक भूषण तिर्की ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि संत पैट्रिक उच्च विद्यालय की बेटियों द्वारा सुब्रतो मुखर्जी कप जीतना गुमला ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि गुमला को लंबे समय से खेल नगरी के रूप में पहचान मिली है और यहां के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा एवं उपलब्धियों से इस पहचान को लगातार मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि संत पैट्रिक विद्यालय परिवार ने शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। खिलाड़ियों ने जिस अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। विधायक ने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुमला की इन बेटियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परिचय देकर जिले और राज्य को गौरवान्वित किया है।

"यह केवल गुमला की नहीं, पूरे झारखंड की उपलब्धि" : उपायुक्त-समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो ने कहा कि संत पैट्रिक विद्यालय की बेटियां सुब्रतो मुखर्जी कप जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में विजेता बनकर लौटी हैं। यह उपलब्धि गुमला जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता के प्रत्येक चरण में शानदार प्रदर्शन किया और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उपायुक्त ने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी कप की यात्रा प्रखंड स्तर से शुरू होकर जिला, प्रमंडल, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची। इस पूरे सफर में खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और समर्पण से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनके प्रशिक्षकों एवं कोच का मार्गदर्शन, विद्यालय परिवार का सहयोग और स्वयं खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन एवं पूरे विद्यालय परिवार को जिला प्रशासन की ओर से बधाई देते हुए कहा कि गुमला के बच्चे-बच्चियां लगातार विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले की पहचान को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जिले के खिलाड़ियों के सहयोग के लिए लगातार प्रयासरत है, खिलाड़ी अपने खेल पर ध्यान दें, मेहनत करते रहें और अपने भविष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विजेता टीम के सम्मान के बाद निकला विजय जुलूस-सम्मान समारोह के दौरान उपायुक्त एवं विधायक ने विजेता टीम के खिलाड़ियों, कोच बिना केरकेट्टा,एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। इसके बाद विजेता टीम के सम्मान में विजय जुलूस निकाला गया।

मासांत बैठक में विद्यालय की प्रगति, शैक्षिक गुणवत्ता एवं आगामी योजनाओं पर हुआ मंथन

जनतरंग पथदूत संवाददाता

सिमडेगाः- वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड की शैक्षिक इकाई श्री हरि वनवास विकास समिति झारखंड द्वारा संचालित रिचा कुमार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मासांत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पाठक जी ने की। इस अवसर पर संकुल प्रमुख श्रीमान संतोष दास जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।बैठक का शुभारंभ संगठन मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। इसके पश्चात गत माह विद्यालय में संपन्न विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की क्रमवार समीक्षा की गई। विद्यालय द्वारा किए गए कार्यों की उपलब्धियों के साथ-साथ उन क्षेत्रों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया, जहाँ अपेक्षित सुधार की आवश्यकता अनुभव की गई।बैठक में आगामी माह में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं शैक्षणिक योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक उन्नत बनाने, शिक्षण पद्धति को प्रभावशाली बनाने तथा विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को निरंतर बेहतर करने पर विशेष बल दिया गया। प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पाठक जी ने विद्यालय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि विद्यालय की प्रगति एक सतत प्रक्रिया है। इसके लिए सभी आचार्य-आचार्याओं का समर्पित प्रयास, अनुशासन, आपसी समन्वय एवं अपने दायित्वों के प्रति सजगता अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।इस अवसर पर संकुल प्रमुख संतोष दास जी ने विद्यालय विकास एवं संगठनात्मक कार्यों के संदर्भ में महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए। उन्होंने संस्था एवं संगठन के उद्देश्य, कार्यपद्धति तथा विद्यालयों की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए सभी को संगठन की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक दायित्वों का बोध कराना विद्यालय की मूल विशेषता है।बैठक के दौरान विद्यालय को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर करने, कार्यों में नवीनता लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को सामूहिक प्रयास से प्राप्त करने का संकल्प भी लिया गया। बैठक में उपस्थितआचार्य-आचार्याओं ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए तथा विद्यालय के विकास में सक्रिय सहभागिता का विश्वास दिलाया।अंततः बैठक का समापन शुभकामना मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। समग्र रूप से मासांत बैठक आत्ममंथन, समीक्षा, मार्गदर्शन और आगामी कार्ययोजना के निर्धारण का सार्थक अवसर बनी, जिसने विद्यालय परिवार को नए उत्साह एवं नई ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा प्रदान की।

टांगरडीह के समीप मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होने से हुआ हादसा,दोनों युवक गुमला रेफर

जनतरंग पथदूत संवाददाता

डुमरी (गुमला)। डुमरी थाना क्षेत्र के टांगरडीह गांव के समीप रविवार की रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब दोनों युवक बाइक से अपने गांव दीना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क के एक मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। दुर्घटना में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं, जिसमें एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान दीना गांव निवासी नरेश नगेसिया (18 वर्ष) और बाइक चालक देवानंद गोप (20 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से टांगरडीह गांव के समीप से अपने घर दीना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मोड़ पर अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों युवक बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े।

हादसे में चालक को गंभीर चोट-दुर्घटना में बाइक चालक देवानंद गोप को गंभीर चोट आई है। बताया गया कि उसके चेहरे पर गंभीर चोट लगी है और मुंह के जबड़े में भी चोट के कारण फ्रैक्चर हुआ है। इसके अलावा शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट लगने की बात सामने आई है। वहीं, बाइक पर सवार नरेश नगेसिया को भी अंदरूनी चोटें आई हैं। हादसे के बाद दोनों युवक सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे।

ग्रामीणों और पत्रकारों ने पहुंचाया अस्पताल-हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों एवं स्थानीय पत्रकारों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को निजी वाहन की मदद से इलाज के लिए डुमरी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दोनों को सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई-घटना की सूचना मिलने के बाद डुमरी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों का हाल जाना। पुलिस ने दुर्घटना से संबंधित जानकारी जुटाई और मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया हादसे का कारण बाइक का मोड़ पर अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों को लेकर पुलिस स्तर से जांच की जा रही है।

सड़क सुरक्षा क- ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क के मोड़ पर अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ने से दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में बाइक चालकों से विशेष रूप से मोड़, ढलान और खराब सड़क वाले स्थानों पर गति नियंत्रित रखने तथा हेलमेट का उपयोग करने की अपील की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

बेटी के होटल में पकड़े जाने का डर दिखाया, खुद को थाना प्रभारी बताकर पिता से ठगे 1.13 लाख

सहरसा, एजेंसी। बिहार के सहरसा में साइबर ठगों ने एक पिता को बेटी के दिल्ली होटल में आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े जाने का भय दिखाकर 1 लाख 13 हजार 500 रुपये ठग लिए. ठग ने खुद को सदर थाना प्रभारी बताकर दबाव बनाया और अलग-अलग यूपीआई स्कैनर पर रुपये मंगवाए. सदर थाना प्रभारी बनकर फोन कियाः सदर थाना क्षेत्र के पंचवटी चौक में किराए के मकान में रह रहे अरविंद कुमार सिंह को 13 मई 2026 की सुबह करीब 10:30 बजे फोन आया. कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को सदर थाना सहरसा का प्रभारी बताया और कहा कि उनकी बेटी दिल्ली के एक होटल में आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ी गई है. तत्काल पैसे भेजने का दबावः ठग ने मामला मैनेज करने और कार्रवाई से बचाने के नाम पर तुरंत 8,500 रुपये भेजने को कहा. बेटी के बारे में यह सुनकर घबराए अरविंद कुमार ने ठग के भेजे यूपीआई स्कैनर पर रकम ट्रांसफर कर दी. इसके बाद ठग लगातार अलग-अलग बहाने बनाकर और पैसे मांगता रहा. कुल 1.13 लाख रुपये ट्रांसफरः पीड़ित ने पहले 17 हजार रुपये भेजे. फिर अलग-अलग यूपीआई स्कैनर के माध्यम से 40 हजार और 50 हजार रुपये भी भेज दिए. इस तरह साइबर ठगों ने कुल 1 लाख 13 हजार 500 रुपये अपने खातों में मंगवा लिए. अरविंद कुमार मूल रूप से सलखुआ थाना क्षेत्र के बहुरवा गांव के रहने वाले हैं.

राशन की चोरी बंद होगी, हर हाल में मिलेगा 5 किलो अनाज', मुख्य सचिव से मिले प्रशांत किशोर

पटना, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के इकलौते विधायक प्रशांत किशोर जिस प्रकार से बिहार सरकार के आला अधिकारियों से बैठक कर रहे हैं, राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज है। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद उन्होंने बांकीपुर को मॉडल विधानसभा बनाने की घोषणा करते हुए कहा था कि 3 महीने में बांकीपुर बदला-बदला दिखेगा। एक्शन में जन सुराज विधायकः अब प्रशांत किशोर अपने उसी वादे को जमीन पर उतारने के लिए लगातार कोशिश करते नजर आ रहे हैं। पहले डीजीपी से मुलाकात की और अब मुख्य सचिव से मिले हैं। बिहार सरकार के पांच प्रमुख विभागों के प्रधान सचिव के साथ मुख्य सचिवालय में बैठक कर हलचल मचा दी है। डीजीपी-सीएस से मिले पीकेः वहीं, बैठक के बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह मीटिंग डीजीपी के साथ हुई। पिछली बैठक का फॉलोअप था। प्रशांत किशोर ने कहा कि पटना की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर 1 सितंबर को हाई लेवल बैठक होगी, जिसमें देश के ट्रैफिक संचालन में मदद करने वाली संस्था के साथ बिहार सरकार के आला अधिकारी रणनीति बनाएंगे। क्या बोले बांकीपुर विधायकः प्रशांत किशोर ने कहा कि पटना खासकर बांकीपुर के राशन कार्ड धारी को लोगों 3 किलो अनाज दिया जाता है। बैठक में पटना के राशन कार्डधारकों को 5 किलो अनाज देने, स्मार्ट सिटी के तहत नाली, गली, स्ट्रीट लाइट, वेडिंग जोन और ड्रेनेज की समस्याओं पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने जल्द संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर राशन की समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। वहीं, नगर निगम के साथ मिलकर पटना की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने की दिशा में काम शुरू किया जाएगा।

बिहार में सूदखोर का तांडव, घर में घुसकर किया एसिड अटैक, पति-पत्नी और मासूम झुलसे

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में पति-पत्नी और मासूम बेटे पर तेजाब से अटैक हुआ है. मामला केसरिया थाना क्षेत्र का जहां सूद पर 15 लाख रुपए के मामले में ये वारदात सामने आई है. एसिड अटैक में मासूम बच्चा कराह रहा है. हालात यह है कि बच्चा ठीक से यूरिन पास नहीं कर पा रहा है. उसे कैथेटर लगाया गया है. मासूम बच्चे को पता ही नहीं है कि उसे किस बात की सजा मिली है. तेजाब कांड में पति-पत्नी और बेटा झुलसा : तेजाब कांड में घायल स्वर्ण कारोबारी अमित कुमार उनकी पत्नी रिंकी कुमारी और मासूम बेटे यश का मुजफ्फरपुर में इलाज चल रहा है. पीड़ित स्वर्ण कारोबारी अमित का कहना है कि उन्होंने 15 लाख रुपए सूद पर लिए थे जिसमें उन्होंने 10 लाख रुपए लौटा दिए लेकिन शेष 5 लाख रुपए के लिए उनकी 40 लाख की जमीन लिखने का दबाव बनाया जा रहा था. इस मामले में पीड़ित ने बताया कि उन्होंने सूद देने वाले व्यक्ति को जमीन बेचने को तैयार नहीं थे. इसी बीच अमित ने अपनी जमीन केसरिया निबंधन कार्यालय में किसी अन्य व्यक्ति के हाथों बेच दी. आरोप है कि जमीन बेचने की जानकारी मिलने के बाद गुंजन अपने साथियों के साथ अमित के घर पहुंचा और मारपीट के बाद परिवार पर तेजाब से हमला कर दिया. हमारे साथ हुई मारपीट फिर फेंका तेजाब' : पीड़ित परिजनों के मुताबिक, घर में घुसकर पहले अमित और उनके परिवार के साथ मारपीट की गई. इसके बाद परिवार पर तेजाब फेंक दिया गया. तेजाब की चपेट में अमित, उनकी पत्नी रिंकी और ढाई साल का मासूम यश आ गया. बताया जा रहा है कि तेजाब फेंकने वाला व्यक्ति भी इसकी चपेट में आया है. इस मामले में एक और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है. जहां घायल स्वर्ण कारोबारी अपने परिवार के साथ मुजफ्फरपुर में इलाज करा रहे हैं, वहीं कथित तौर पर तेजाब फेंकने वाले पक्ष की ओर से ही केसरिया थाने में अमित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है.

बिहार में शराबबंदी के 10 सालः कागजों पर 'ड्राई स्टेट',

जमीनी हकीकत में तस्करी, अपराध और सियासी घमासान

पटना, एजेंसी। बिहार 'ड्राई स्टेट' है, लेकिन जमीनी हकीकत का हर पन्ना एक नया अफसाना बयां करता है। कानूनन तो यहां शराब बेचना; खरीदना और पीना अपराध है, लेकिन बीते रोज पटना में जहरीली शराब पीने से हुई 4 लोगों की मौत ने इसकी पोल खोल दी है।

इतना ही नहीं अगस्त महीने की शुरुआत में ही भोजपुर जिले के आरा में तस्करी कर लाई जा रही शराब की 1 करोड़ रुपये की खेप पकड़ी गई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि हकीकत में न तो जाम छलकने बंद हुए और न ही इसकी तस्करी।

चेकपोस्ट से लेकर गलियों तक फैले नेटवर्क, होम डिलीवरी के नए-नए तरीकों और रोजाना होती गिरफ्तारियों के बीच आज बिहार की शराबबंदी एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां नुकसान राजस्व का भी है और कानून-व्यवस्था का भी। इस पर सियासी घमासान भी कम नहीं है। बिहार के अलावा मिजोरम और नागालैंड जैसे राज्यों में भी शराब पर प्रतिबंध लागू हैं। हाल ही में मणिपुर और गुजरात में प्रतिबंध हटाए गए हैं। बहरहाल, बात करें अपने बिहार की तो यहां शराबबंदी लागू हुए करीब 10 साल बीत चुके हैं।

शराबबंदी से जुड़ी 4 प्रमुख बातें

स्वास्थ्य से जुड़े फायदे: बिहार में शराब पर रोक को लेकर लोग तर्क देते हैं कि इससे शराब से जुड़ी बीमारियों, दुर्घटनाओं और मौतों में कमी लाकर लोगों की सेहत में सुधार हो सकता है। जहरीली शराब पीने से मौत जैसी घटनाओं में कमी आ सकती है।

सामाजिक कल्याण: लोगों का मानना है कि शराब

पर रोक लगाने से शराब के गलत इस्तेमाल से जुड़ी सामाजिक समस्याओं, जैसे घरेलू हिंसा, अपराध दर और परिवार के टूटने जैसी दिक्कतों को कम किया जा सकता है।

सांस्कृतिक और धार्मिक पहलू: भारत जैसे विविध सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं वाले देश में, कुछ समूह सांस्कृतिक या धार्मिक सिद्धांतों के आधार पर शराब पर रोक की वकालत करते हैं।

बिहार में 1 अप्रैल 2016 से शराबबंदी लागू हुई है। इससे पहले बिहार में समाजसेवी और पर्यावरणविद् मनोहर मानव ने शराब के खिलाफ आवाज उठाई थी।

छपरा के सिताबदिरा से साल 2009 में शुरू किए गए शराबबंदी आंदोलन ने बिहार में एक बड़ा रूप ले लिया था। इसके बाद बिहार के तत्कालीन सीएम नीतीश सरकार ने 1 अप्रैल 2016 में शराबबंदी को लागू कर दिया।

बिहार में इस साल अप्रैल में पूर्ण शराबबंदी के 10 साल पूरे हो गए हैं। इसे लेकर सियासी घमासान भी कम नहीं है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, चिराग पासवान और प्रशांत किशोर सहित कई नेताओं ने बीते दिनों अपने बयानों में शराबबंदी पर सवाल उठाए हैं।

कानून में कोई बदलाव नहीं होगा: मद्य निषेध विभाग के मंत्री मदन सहनी ने बीती 21 अगस्त को बयान दिया था कि बिहार में शराबबंदी कानून में कोई संशोधन नहीं होगा।

शराबबंदी पूरी तरह विफल: तेजस्वी यादव ने भी इसी महीने और बीते अप्रैल में भी इसे लेकर बयान दिया था। उन्होंने कई बार शराबबंदी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बिहार में पूर्ण शराबबंदी को पूरी तरह से विफल और सत्ता पक्ष के संरक्षण में चलने वाला एक बड़ा रैकेट बताया है।

सफल नहीं हुई शराबबंदी: जेडीयू पार्टी के सीतामढ़ी से सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने मार्च 2026 में इस नीति की समीक्षा की मांग की थी। उन्होंने ने कहा कि शराबबंदी कहीं भी सफल नहीं हुई है।

हम जीते तो हटेगी शराबबंदी: प्रशांत किशोर (वर्तमान में बांकीपुर सीट से विधायक) भी बिहार से शराबबंदी हटाने की समय-समय पर वकालत करते रहे हैं। एक बयान में उनका कहना था कि यदि उनकी पार्टी बिहार में सरकार बनाती है तो वह बिहार से शराबबंदी पूरी तरह से हटा देंगे।

कानून की समीक्षा की जरूरत: लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान ने हाल ही में बिहार में शराबबंदी कानून के 10 साल पूरे होने के बाद इसकी समीक्षा करने की मांग की है।

अपनाएं गुजरात मॉडल: हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी बिहार में शराबबंदी पर कई बार सरकार पर हमलावर हो चुके हैं। उन्होंने सरकार को कई बार हिदायत दी है कि बिहार को गुजरात मॉडल अपनाना चाहिए।

शराबबंदी सिर्फ दिखावा: अप्रैल 2026 में जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने भी शराबबंदी पर सवाल उठाए थे। तेज प्रताप यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि बिहार में शराबबंदी सिर्फ एक दिखावा है।

बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और घरेलू हिंसा को रोकने के लिए साल 2016 में पूर्ण शराबबंदी लागू की गई थी। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि राज्य में शराबबंदी के बाद भी महिलाओं के खिलाफ अपराध कम होने के बजाय ढाई गुना से ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट में 2012 से 2024 के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़ों का ट्रेंड सामने रखा गया है। आंकड़ों के मुताबिक 2012 में करीब 11 हजार मामले थे।

जो 2014 में करीब 15.5 हजार, 2021 में करीब 18 हजार, 2022 में करीब 20 हजार और 2023 में करीब 23 हजार तक पहुंच गए। 2024 में यह संख्या करीब 28 हजार बताई गई है। यानी लंबे समय में दर्ज मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

गंडक बैराज से छोड़ा गया 164000 क्यूसेक पानी, निचले इलाके में सड़कों पर आई 5 फीट तक बाढ़

बगहा, एजेंसी। नेपाल में आई भीषण बाढ़ का असर अब बिहार में साफ दिखाई देने लगा है। पश्चिम चंपारण के बगहा इलाके में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में पानी का दबाव बढ़ गया है। गंडक बैराज से करीब 1.64 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद चकदहवा, झंडूटोला और बिन टोली जाने वाले मुख्य मार्ग पर करीब 5 फीट तक पानी भर गया है। ताजा रिपोर्टों में गंडक के बढ़ते जलस्तर को लेकर प्रशासन की निगरानी भी जारी है। गंडक खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मुख्य रास्ते पर पानी भरने से करीब 3 हजार की आबादी की परेशानी बढ़ गई है। गांव के लोगों को रोजमर्रा के काम, बाजार, इलाज और जरूरी सामान के लिए इसी पानी को पार करके आना-जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान हर साल उन्हें इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका है।

ग्रामीण अंजू कुमारी बताती हैं कि वह अपने एक वर्षीय बच्चे को लेकर इलाज के सिलसिले में निकली थीं और चकदहवा स्थित अपने गांव जा रही हैं।

उनका कहना है कि पूरे बरसात के मौसम में इसी तरह पानी पार करके आना-जाना पड़ता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि गांव तक बेहतर सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को हर साल इस परेशानी से न जूझना पड़े।

चकदहवा निवासी सूरज कुमार के मुताबिक इलाके में हालात बेहद खराब हैं। गांव तक पहुंचने वाले करीब तीन किलोमीटर के रास्ते में पानी भरा हुआ है। उनका कहना है कि सड़क और रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों की मुश्किल और बढ़ जाती है। कई जगह पानी इतना ज्यादा है कि लोगों को गर्दन तक पानी में होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीण सलीम गद्दी का कहना है कि करीब तीन किलोमीटर का रास्ता पानी से घिरा हुआ है। लोगों को इसी रास्ते से होकर आना-जाना पड़ता है। उनके मुताबिक न तो सड़क की स्थिति ठीक है और न ही पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई वर्षों से समस्या बनी हुई है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सोहेल अंसारी बताते हैं कि बारिश के मौसम में करीब तीन महीने तक लोगों को छह फीट तक पानी में उतरकर रास्ता पार करना पड़ता है। पानी के बीच आवाजाही करना बेहद जोखिम भरा है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों के लिए यह परेशानी और गंभीर हो जाती है।

प्रदेश के कई जिलों में होगी भारी बारिश, 11 जिलो में ऑरेंज अलर्ट जारी

पटना, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने पूरे राज्य में मौसम खराह होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट तो वहीं बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इन सभी जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा, वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है।

इन जिलों में बारिश का अलर्टः राज्य के बक्सर, कैमूर, औरंगाबाद और रोहतास में भारी बारिश को लेकर अलर्ट है। इन जिलों के साथ साथ सारण, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण जिलों में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावे पटना समेत गया और नवादा में भी भारी बारिश की संभावना है।

आगे कैसा रहेगा मौसमः 01 सितंबर को नालंदा, शेखपुरा, लखीसरा, बेगूसराय और खगड़िया में भारी बारिश की संभावना है। 2 सितंबर को राजधानी पटना समेत सिवान, बक्सर और आसपास के जिलों में भारी बारिश की संभावना है। ऐसे में मौसम विभाग ने मौसम को लेकर पूर्वानुमान जारी किया है और लोगों को वज्रपात से बचने की अपील की है।

बिहार का तापमान और उतार-चढ़ावः बारिश कम होने से राज्य का तापमान भी बढ़ा है। रविवार को दरभंगा में सबरे ज्यादा अधिकतम तापमान (36।7) डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि बारिश और मौसम अच्छा होने के कारण पश्चिमी चंपारण, मोतिहारी, सिवान, अरवल और रोहतास में तापमान में कमी आयी। इसके अलावा जहानाबाद, गया, सुपौल अररिया और भागलपुर में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। बांकी जिलों में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गयी।

सामान्य से 40 प्रतिशत कम बारिशः मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अब तक 768।8 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। हालांकि इस बार मानसून में अब तक 459।4 मिमी बारिश हुई है। यानी सामान्य से 40 प्रतिशत कम बारिश हुई है। कम बारिश होने के कारण धान की खेती करने वाले किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अचानक बढ़ा जलस्तर और तेज धारा में डूब गए 8 दोस्त! नदी में नहाने गए थे सभी

गया, एजेंसी। बिहार के गया में दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के इमामगंज प्रखंड क्षेत्र के सोरहर नदी में 8 दोस्त एक साथ नहाने गए थे। जहां अचानक नदी में तेज बहाव के साथ पानी आ गया। जिस वजह से 8 दोस्त नदी में डूबने लगे। सात तो बच निकले लेकिन एक युवक डूब गया।

नहीं मिला अबतक सुराग

नदी की तेज धार में 17 वर्षीय युवक बह गया है, जिसका देर शाम तक कोई सुहाग नहीं मिल सका। युवक की पहचान इमामगंज प्रखंड के दुबहल गांव के निवासी युसूफ अंसारी का पुत्र गुलाम आसी बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों और जिला प्रशासन की ओर से युवक की तलाश जारी है लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है।

गांव के एक व्यक्ति मो नदीम ने बताया कि रविवार की शाम 8 दोस्त एक साथ पास में ही स्थित नदी में नहाने गए थे, तभी अचानक नदी में पानी का तेज बहाव आ गया। झारखंड से आ रही सोहर नदी में अचानक पानी का फ्लो बढ़ जाने से इन युवकों में अफरा-तफरी मच गई। इनमें कुछ दोस्त डूबने लगे लेकिन किसी तरह से 3 युवक

तैरते हुए नदी से निकले और भागते हुए गांव पहुंच कर लोगों को सूचना दी।

पहले इन युवकों ने दूसरे 5 अन्य दोस्तों को भी निकालने की कोशिश की लेकिन पानी इतना तेज था कि वो इस में सफल नहीं हो सके। स्थिति बिगड़ते देख तीन युवक किसी तरह तैरते हुए नदी से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि अन्य युवक पानी की तेज धार में बह गए। बाहर निकलते ही तीनों युवकों ने तुरंत गांव पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत नदी में छलांग लगा दी और तलाश शुरू की, जिसमें उन्हें 4 युवकों को सुरक्षित निकालने में सफलता मिली।

एसडीआरएफ भी तलाश में जुटी

इसकी सूचना मिलते ही प्रखंड मुख्यालय से अधिकारियों और इमामगंज थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। नदी के किनारे सैंकड़ों लोग भी जमा हो गए। एसडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची लेकिन नाव में तेल नहीं होने की वजह लगभग एक घंटे तक तलाशी अभियान रुका भी लेकिन दोबारा फिर शाम 5 बजे से नदी में आसी की तलाश शुरू की गई।

वहीं, घटना कि सूचना मिलने के बाद प्रखंड विकास अधिकारी संजय कुमार भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घटना को लेकर कहा कि प्रथम दृष्टि से यह लापरवाही का मामला प्रतीत होता है। प्रशासन की ओर से पहले ही अन्य माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, क्योंकि झारखंड में अधिक बारिश हो रही है। ऐसे में नदी में जाना अनहोनी को दावत देना है।

सड़क पर धान रोपने लगे बिहार के लोग, जानें अनोखे विरोध प्रदर्शन का सच

कैमूर/गया, एजेंसी। दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी कैमूर जिले के मोहनिया की एक सर्विस रोड पिछले करीब दो महीने से जलजमाव और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण झील में तब्दील हो गई है। सड़क पर लगातार पानी जमा रहने के कारण स्थानीय लोगों, राहगीरों, वाहन चालकों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जलजमाव बना दुर्घटना की वजह: स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश होने के बाद स्थिति और भी खराब हो जाती है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें पानी भर जाने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। लोगों के अनुसार कई बार वाहन पानी और गड्ढों में फंसकर पलट चुके हैं।

सड़क पर पानी जमा होने से कारोबार भी प्रभावित: सर्विस रोड के किनारे बड़ी संख्या में दुकानें और व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं, सड़क की बदहाल स्थिति का सीधा असर यहां के कारोबार पर पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि जलजमाव के कारण ग्राहक अपनी गाड़ियां लेकर दुकानों तक पहुंचने से कतराते हैं। वहीं कई जगह पानी इतना अधिक जमा है कि लोगों को दुकान तक पहुंचने के लिए भी परेशानी उठानी पड़ती है।

नाराज लोगों ने सड़क पर ही रोप दी धान: समस्या के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से नाराज स्थानीय लोगों ने रविवार को अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने जलजमाव वाली सर्विस रोड पर उतरकर पानी के बीच धान की रोपाई कर दी। धान की रोपाई कर

रहे स्थानीय मखू मिस्त्री ने कहा कि जब सड़क पर महीनों से पानी जमा है और सड़क खेत का रूप ले चुकी है, तो अब यहां धान की फसल ही क्यों न उगा दी जाए।

ग्राहक के इंतजार में व्यवसायी: स्थानीय व्यवसायी दीपक कुमार ने कहा कि यह दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग के ठीक बगल की सर्विस रोड है, इसके बावजूद सड़क की हालत बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जलजमाव के कारण व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

सड़क और नाले में अंतर करना मुश्किल: स्थानीय निवासी सुमित गुप्ता ने सड़क की स्थिति पर कहा कि एक तरफ विकसित भारत और बेहतर सड़कों की बातें की जा रही है, लेकिन मोहनिया में हाईवे से सटी सर्विस रोड की स्थिति ऐसी है कि सड़क और नाले में अंतर करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि 'दो महीने से लोग इस समस्या को झेल रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। '

जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क पर जमा पानी की तत्काल निकासी कराने, जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने तथा क्षतिग्रस्त सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है तथा किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहेगी।

गया में विरोध का अनोखा अंदाज: वहीं गया में भी दर्जनों महिला-पुरुषों ने सड़क पर उतरकर धान की रोपनी शुरू कर दी। दरअसल इस गांव की सड़क जर्जर हालत में है। बड़े-बड़े गड्ढे में पानी और कीचड़ होने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। करीब 500 घरों वाले इस गांव के लोग इस समस्या से निजात को लेकर गुहार लगा रहे हैं।

सड़क नहीं।।यहां तो सिर्फ गड्ढे हैं: ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की स्थिति इतनी बदहाल है, कि रोज हादसे होते हैं और गिरकर रोजाना कोई न कोई घायल हो जाता है। यह सड़क एक किलोमीटर से भी अधिक लंबी है लेकिन इसकी जर्जर स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। अरसे से यह स्थिति बनी हुई है।

कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क पर जलजमाव: आक्रोशित ग्रामीणों ने धान की रोपनी सड़क पर की है और अपना विरोध जताया है। ग्रामीण अंजुमन के अनुसार स्टेट हाईवे 69 की मुख्य सड़क से रौना गांव तक करीब एक किलोमीटर तक कच्चा गड्ढे में तब्दील यह रास्ता है। यह रास्ता कई गांवों को और कई बाजारों को जोड़ता है। रोजाना सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण पैदल-बाइक से आवागमन करते हैं लेकिन सड़क खराब रहने के कारण भी गिर जाते हैं और घायल हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मक्का समझौते में शामिल होने में 'जोखिम नहीं', दूसरे देशों से रिश्तों पर नहीं पड़ेगा असर

ढाका। बांग्लादेश ने एक सप्ताह में दूसरी बार 'इस्लामिक नाटो' कहे जा रहे मक्का समझौते में शामिल होने के संकेत दिए हैं। नए बयान में ढाका ने कहा है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की वाले इस सैन्य समझौते से जुड़ने में उसे 'कोई जोखिम नहीं' दिखता और इससे दूसरे देशों के साथ उसके रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा था कि मक्का डिफेंस पैक्ट एक 'अनूठा समझौता' है और इससे बांग्लादेश के लिए नए रणनीतिक अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ढाका इस मुद्दे पर अपने द्विपक्षीय साझेदार देशों से चर्चा कर रहा है और बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। कबीर ने कहा कि बांग्लादेश को अपनी विदेश नीति और सुरक्षा सहयोग को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना होगा। किसी एक रक्षा सहयोग में शामिल होने का मतलब यह नहीं कि हम दूसरे देशों के साथ साझेदारी नहीं रख सकते। हालांकि बांग्लादेश को फिलहाल इस समझौते में शामिल होने का कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन उसने इस तरह के बयान देकर भारत को उकसाने की कोशिश की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खालिलुर रहमान ने संसद में कहा था कि अगर बांग्लादेश को इस समझौते में शामिल होने का न्योता मिलता है तो सरकार इस पर सकारात्मक विचार करेगी। उन्होंने इसे 'मुस्लिम परिवार का आंतरिक मामला' तक बता दिया था। अब बांग्लादेश भी इसमें शामिल होने की बात कर रहा है। पाकिस्तान पहले से ही समझौते में शामिल है। ऐसे में बांग्लादेश इसमें शामिल हुआ तो भारत के लिए दोनों मोर्चों पर चिंताएं बढ़ सकती हैं। हालांकि खाड़ी देशों के साथ भारत की विश्वसनीय साझेदारियां हमारे हक में हैं। इसके बावजूद भारत ने इस घटनाक्रम पर सतर्क रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा से जुड़े सभी घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखे हुए है और भारत देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। कई विशेषज्ञों ने इस प्रस्ताव को लेकर चिंता जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने किया भव्य बॉलरूम के निर्माण पर रोक लगाने से इनकार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित भव्य बॉलरूम के निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट ने व्हाइट हाउस में रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है, बॉलरूम को खास शाही अंदाज देने के लिए अमेरिका के इंडियाना से निकाला गया बहुमूल्य पत्थर हजारों किलोमीटर दूर इटली भेजा गया है। सवाल उठता है कि जब पत्थर अमेरिका का है तो उसे इटली भेजने की जरूरत क्यों पड़ी? इसकी वजह है वहाँ की सदियों पुरानी और विश्व-प्रसिद्ध पत्थर तराशने की कारीगरी। व्हाइट हाउस के नए बॉलरूम के विशाल खंभों पर बेहद बारीक और जटिल नक्काशी की जानी है, और इस अति विशिष्ट कार्य के लिए इटली के विशेषज्ञ कारीगरों की मदद ली जाएगी। यानी इस इमारत की कहानी कुछ ऐसी होगी – पत्थर अमेरिका का, हुनर इटली का और डिजाइन डोनाल्ड ट्रंप का। यह अमेरिकी महत्वाकांक्षा और इतालवी कलात्मकता का एक अनूठा संगम होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 40 करोड़ डॉलर यानी लगभग 3,829.6 करोड़ रुपये की लागत वाले इस असाधारण प्रोजेक्ट में 8,000 वर्ग मीटर से ज्यादा की जगह होगी और इसमें करीब 1,000 लोगों के बैठने की शानदार क्षमता होगी। निर्माण स्थल पर लगभग 200 कुशल कारीगर और मजदूर दिन-रात काम कर रहे हैं। लेकिन इसकी सबसे खास कहानी सिर्फ आकार या कीमत नहीं है, बल्कि वह कलात्मकता है जो इसे विशिष्ट बनाएगी। बॉलरूम के सामने बनने वाले विशाल खंभों के लिए जिस पत्थर को इटली भेजा गया है, उसकी कारीगरी संभवतः कैरारा में होगी। यही वह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इलाका है जो अपने सफेद संगमरमर और पत्थर की नक्काशी के लिए सदियों से दुनिया भर में मशहूर रहा है। महान कलाकार माइकल एंजेलो भी अपनी अमर कृतियों के लिए इसी इलाके के संगमरमर का चुनाव करते थे। अब उसी इतालवी कला परंपरा की छाप डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम पर दिख सकती है, जिससे यह सिर्फ एक समारोह स्थल न होकर कला और वास्तुकला का एक बेजोड़ नमूना बन जाएगा। यह कोई साधारण समारोह स्थल भी नहीं होगा, बल्कि इसमें अत्याधुनिक सुरक्षा और सुविधाओं का समावेश होगा। इसमें एयर-रेड शेल्टर (वायु-हमले से बचाव का आश्रय), व्यापक मेडिकल फैसिलिटी, बेहद गोपनीय बैठकों के लिए सुरक्षित कमरे, ड्रोन और हेलिकॉप्टर के लिए लैंडिंग पैड, ड्रोन-रोधी छत और बुलेटप्रूफ खिड़कियां जैसी असाधारण सुविधाएँ प्रस्तावित हैं।

कछार में 16 करोड़ की याबा टैबलेट के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम की कछार पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वाहन में बने गुप्त चैंबर से 80,000 याबा टैबलेट बरामद की हैं। जब्त किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 16 करोड़ रुपये बताई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है और पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने असम पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि भारी मात्रा में मादक पदार्थों की इस खेप को सड़कों तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया। उन्होंने इसे नशे के खिलाफ राज्य में चलाए जा रहे अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि याबा टैबलेट की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

असम के सोनापुर सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई सात

गुवाहाटी। असम के सोनापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। रविवार रात एक ट्रैवलर बस और मालवाहक ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि इलाज के दौरान दो अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। ताजा जानकारी के मुताबिक, हादसे में मृत सात लोगों में से तीन शव गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में रखे गए हैं। वहीं, तीन शव सोनापुर के अस्पताल और एक शव कोस्मो अस्पताल में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा खेत्री थाना क्षेत्र के अंतर्गत मयहांग और भूरागांव के बीच तेतेलिया के पास हुआ। गुवाहाटी की ओर जा रही ट्रैवलर बस (एएस-01एचसी-0716) डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा से आ रहे मालवाहक ट्रक (एएस-07बीसी-4271) से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। लोगों के मुताबिक, नगांव से गुवाहाटी की ओर जा रही ट्रैवलर बस का एक टायर सड़क पर बने गड्ढे में पड़ने के बाद फट गया। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गई और सामने से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

भारत के समुद्री बेड़े में शामिल हुआ दूसरा स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निपुण'

गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे सहायता क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में सोमवार को निस्तार श्रेणी के दूसरे डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निपुण को भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। इसके शामिल होने से नौसेना की गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे सहायता क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी होगी। आज के दिन को जहाज के निर्माण से लेकर ऑपरेशनल सर्विस तक के सफर में नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में डिजाइन और निर्मित 'निपुण' डिफेंस शिपबिल्डिंग में भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिश में अहम मील का पत्थर है। आउटफिटिंग और ट्रायल के एक बड़े प्रोग्राम के पूरा होने के बाद यह वेसल 30 जुलाई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। यह खास तौर पर बनाया गया प्लेटफॉर्म है, जिसे डाइविंग और पानी के अंदर के कई तरह के ऑपरेशन में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जहाज आधुनिक डाइविंग सिस्टम और पानी के अंदर दखल देने की क्षमताओं से लैस है, जिससे समुद्र में मुश्किल हालात में काम करने वाले गोताखोरों को लगातार मदद मिलेगी। यह सबमरीन रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने की नौसेना की क्षमता को भी बढ़ाएगा।

जहाज में नेविगेशन, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट और सटीक स्टेशन कीपिंग के लिए मॉडर्न सिस्टम हैं। साथ ही डाइविंग, पानी के अंदर दखल और मेडिकल सपोर्ट के लिए खास सुविधाएं भी हैं। ये क्षमताएं निपुण को सतह के नीचे मुश्किल ऑपरेशन के लिए एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करने में मदद करती हैं। 'निपुण' की कमीशनिंग से नौसेना की भारत के समुद्री इलाकों में खास डाइविंग और पानी के अंदर मिशन करने की क्षमता और मजबूत होगी। इस देश में बने प्लेटफॉर्म का शामिल होना देश के शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है, ताकि नौसेना की ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए टेक्नोलॉजी के हिसाब से एडवांस और खास जहाज बनाए जा सकें।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि जहाज पर लगा क्रेस्ट डाइविंग सपोर्ट वेसल के तौर पर जहाज की मुख्य भूमिका और गहरे समुद्र में डाइविंग से जुड़ी हिम्मत, धीरज और प्रोफेशनल काबिलियत को दिखाता है। मॉडर्न डाइविंग हेलमेट जहाज के एडवांस्ड डाइविंग सिस्टम और लाइफ-सपोर्ट क्षमताओं का प्रतीक है। यह गोताखोरों को बहुत गहराई में सुरक्षित और असरदार तरीके से काम करने में काबिल बनाएगा। व्हेल और डाइविंग हेलमेट मिलकर 'निपुण' को एक ऐसे प्लेटफॉर्म के तौर पर दिखाते हैं, जो गोताखोरों को गहराई में ले जाने, उसे वहां बनाए रखने और सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत-रूस रक्षा साझेदारी भरोसे, तकनीक और दशकों के रणनीतिक सहयोग पर आधारित : कर्नल श्रीवास्तव

एजेंसी, कोलकाता

भारत और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी केवल सैन्य उपकरणों की खरीद तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह दशकों के आपसी विश्वास, तकनीक हस्तांतरण, प्रशिक्षण, औद्योगिक सहयोग और स्वदेशी क्षमताओं के विकास पर आधारित रही है। यह बात पूर्व सैन्य खुफिया निदेशक और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के पूर्व छात्र कर्नल आर.के. श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) ने कही। कोलकाता में आयोजित संपर्क - भारत-रूस द्विपक्षीय सम्मेलन में भारत-रूस रक्षा सहयोग के विकास पर चर्चा करते हुए कर्नल श्रीवास्तव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग ने कई दशकों के दौरान भारत की सैन्य, तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि भारत-रूस रक्षा सहयोग को केवल सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति के नजरिये से देखना उचित नहीं होगा। इस साझेदारी ने भारत को तकनीक हासिल करने, उसे समझने और उसके आधार पर अपनी क्षमताएं विकसित करने का अवसर दिया है। कर्नल श्रीवास्तव ने कहा, "हमें अपने लंबे अनुभव और इतिहास को पीछे मुड़कर देखना चाहिए। रूस से मिले उपकरणों और प्रणालियों ने हमारी क्षमताओं को किस तरह प्रभावित किया, यह समझना जरूरी है। जब हम पीछे देखते हैं तो महसूस होता है कि रूस से हमें कितना कुछ मिला है और इस सहयोग ने हमारी क्षमताओं को कितनी गहराई से प्रभावित किया है।"

उन्होंने कहा कि रूसी मूल के उपकरण भारत की रक्षा क्षमताओं के विकास के कई महत्वपूर्ण चरणों का हिस्सा रहे हैं। समय के साथ यह संबंध पारंपरिक खरीदार-विक्रेता व्यवस्था से आगे बढ़कर तकनीक, प्रशिक्षण, उत्पादन और स्वदेशी औद्योगिक क्षमता निर्माण पर केंद्रित हुआ। उन्होंने कहा, "रूसी उपकरणों की बात करें तो उनकी विभिन्न प्रणालियां किसी न किसी रूप में हमारे पास उपलब्ध रही हैं।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर 'पोर्न ऐप' के नाम से साइबर ठगी

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ मोबाइल का नियंत्रण लेकर उड़ाया जा सकता है पैसा

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोर्नोग्राफिक कंटेंट के नाम से प्रसारित किए जा रहे कुछ खतरनाक एंड्रॉयड ऐप मोबाइल फोन का नियंत्रण हासिल कर वित्तीय धोखाधड़ी कर सकते हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई (एनसीटीएयू) ने लोगों को ऐसे ऐप और विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी है। एनसीटीएयू के अनुसार, 'नाइट प्ले', 'रीलूप', 'किस', 'विमो', 'रिवो', 'नेक्सो' और 'विक्स' जैसे नामों तथा इनके समान अन्य नामों से ऐसे ऐप फेसबुक और इंस्टाग्राम के विज्ञापनों के जरिए फैलाए जा रहे हैं। विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ताओं को अश्लील सामग्री वाली वेबसाइटों पर भेजा जाता है, जहां उन्हें ऐप की एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। एडवाइजरी के मुताबिक, ऐप इंस्टॉल होने के बाद वह अतिरिक्त एप्लिकेशन इंस्टॉल करने की अनुमति मांग सकता है। इसके अलावा एक्सेसिबिलिटी की अनुमति का दुरुपयोग कर यह उपयोगकर्ता के मोबाइल फोन पर नियंत्रण हासिल कर सकता है और बैकग्राउंड में चलता रह सकता है। कुछ ऐप फोन में वीपीएन भी इंस्टॉल कर सकते हैं, जिससे इंटरनेट ट्रैफिक हमलावरों के नियंत्रण वाले सर्वर के जरिए गुजर सकता है और उपयोगकर्ता का डेटा जोखिम में पड़ सकता है। एनसीटीएयू ने लोगों को सलाह दी है कि वे ऐप केवल गूगल प्ले स्टोर या अन्य विश्वसनीय ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें और विज्ञापनों, वेबसाइटों या संदिग्ध लिंक से एपीके फाइल डाउनलोड न करें। अनजान ऐप को एक्सेसिबिलिटी की अनुमति नहीं देने, फोन में मौजूद अनजान ऐप की समीक्षा कर उन्हें हटाने, गूगल प्ले प्रोटेक्ट को सक्रिय रखने और एंड्रॉयड डिवाइस को अपडेट रखने की भी सलाह दी गई है। साथ ही बैंक खाते और यूपीआई लेन-देन की नियमित जांच करने को कहा गया है। यदि फोन में ऐसा संदिग्ध ऐप इंस्टॉल हो गया है तो उसे हटाने के लिए फोन को सेफ मोड में रीस्टार्ट कर सेटिंग्स के ऐप्स सेक्शन से संदिग्ध ऐप को अनइंस्टॉल किया जा सकता है।

काकचिंग में एनआरसी के विरोध में मशाल जुलूस के दौरान हिंसक झड़प

एजेंसी, इंफाल

पुलिस ने दागे आंसू गैस

मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात प्रस्तावित जनगणना के विरोध में निकाले गए बड़े मशाल जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं। वाबगई, हियांगलम और आसपास के इलाकों से सैकड़ों ग्रामीण करीब तीन किलोमीटर लंबी मशाल रैली में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी "नो एनआरसी, नो सेंसस" के नारे लगाते हुए जनगणना का विरोध कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट किया जाए और जातीय संघर्ष के कारण विस्थापित लोगों का पुनर्वास किया जाए, इसके बाद ही जनगणना कराई जाए। रैली काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रही थी। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को केइराक बांध क्षेत्र के पास रोक दिया। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

हंगामे के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें चार महिलाएं शामिल थीं। हालांकि, सभी को उसी रात बाद में रिहा कर दिया गया। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

25 साल की सेवा-सुशासन यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर आगे बढ़ें : शिवप्रकाश

एजेंसी, ओरछा/ भोपाल

♦ ओरछा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का दूसरा दिन, कार्यकर्ताओं से जनसेवा और संगठन विस्तार का आह्वान

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के ओरछा में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन सोमवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही नारायण सेवा है। इसी भाव के साथ संगठन को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार व दुर्गादास उइके, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, राष्ट्रीय मंत्री व सांसद कविता पाटीदार तथा संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान: राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सेवा-सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की लोकसेवा यात्रा और इस अवधि में देश में हुए बदलावों को जनता के बीच ले जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर चल रहे 'समरसता संकल्प' कार्यक्रमों को भी सत्ता और संगठन मिलकर व्यापक स्तर पर आयोजित करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य अब केवल किसी एक दल या सरकार का नहीं, बल्कि देश के नागरिकों का साझा संकल्प है। जिस तरह स्वतंत्रता से पहले देश के सामने आजादी का स्पष्ट लक्ष्य था, उसी तरह अब विकसित भारत का लक्ष्य सामने है। शिवप्रकाश ने कहा कि देश को छोटे लक्ष्य नहीं, बल्कि बड़े सपने देखने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखने का लक्ष्य रखा है। कार्यकर्ताओं को इस लक्ष्य को जनआंदोलन का रूप देने के लिए पूरी ताकत से जुटना होगा।

छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी नरसंहार का फैसला टला, अब पांच सितंबर को आएगा निर्णय

एजेंसी, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी नरसंहार मामले में आज 31 अगस्त को आने वाला फैसला टल गया है। अब जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत इस मामले में 5 सितंबर को फैसला सुनाएगी।करीब 13 वर्षों से चल रहे इस बहुचर्चित मामले में अदालत की ओर से फैसला सुनाए जाने की तारीख पहले 31 अगस्त निर्धारित की गई थी।

झीरम मामले की जांच घटना के दो दिन बाद एनआईए ने अपने हाथ में ली थी। एनआईए ने सितंबर 2014 में आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद सितंबर 2015 में पूरक आरोपपत्र भी दाखिल किया गया था। इस मामले में शुरुआत में 11 लोगों को आरोपित बनाया गया था। सुनवाई के दौरान ही एक आरोपित की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अब शेष 10 आरोपितों पर अदालत अपना फैसला सुनायेगी । मामले की लंबी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान 294 सुनवाइयां हुईं। अभियोजन पक्ष ने आरोपितों के खिलाफ दोष साबित करने के लिए अदालत में 101 गवाहों के बयान और महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए हैं।

अगस्त 2026 में अभियोजन और बचाव पक्ष की अंतिम बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और 31 अगस्त की तारीख तय की थी। अब फैसला टलने के बाद पीड़ित परिवारों, राजनीतिक दलों और बस्तरवासियों की निगाहें 5 सितंबर पर टिक गई हैं। मामले में जिन आरोपितों के खिलाफ सुनवाई हुई है, उनमें से 10 आरोपित वर्तमान में जगदलपुर केंद्रीय जेल में बंद बताए जा रहे हैं।

भारत-रूस तकनीकी साझेदारी को बराबरी की भागीदारी में बदलना होगा : देबजीत चक्रवर्ती

एजेंसी, कोलकाता

भारत और रूस को पारंपरिक तकनीक हस्तांतरण मॉडल से आगे बढ़कर सह-विकास, स्थानीयकरण, संयुक्त अनुसंधान और दोनों देशों की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी समाधान विकसित करने पर आधारित गहरी और बराबरी की साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह बात भारत-रूस 'इनोप्रैक्टिका' प्रौद्योगिकी केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक देबजीत चक्रवर्ती ने सोमवार को कही। कोलकाता में आयोजित संपर्क - भारत-रूस द्विपक्षीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि वैश्विक तकनीकी और आर्थिक परिदृश्य में तेजी से हो रहे बदलावों ने भारत और रूस के लिए विज्ञान, तकनीक, नवाचार, अनुसंधान, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के बड़े अवसर पैदा किए हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य की भारत-रूस तकनीकी साझेदारी किसी एक देश द्वारा तकनीक उपलब्ध कराने और दूसरे देश द्वारा उसे अपनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। दोनों देशों की क्षमताओं को एक साथ लाकर साझा मूल्य का निर्माण करना जरूरी है। चक्रवर्ती ने कहा किहम बराबरी की साझेदारी की बात कर रहे हैं। यह केवल रूस की तकनीक भारत लाने या भारत की तकनीक रूस ले जाने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य सही तकनीकों की पहचान करना, उपयुक्त साझेदारों को साथ लाना और ऐसे समाधान विकसित करना है, जिनसे दोनों देशों में मूल्य का निर्माण हो सके।

उन्होंने भारत के तेजी से मजबूत होते तकनीकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में इंजीनियरों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और कुशल पेशेवरों का बड़ा आधार मौजूद है। भारत की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताएं रूस की उन्नत विज्ञान एवं तकनीकी विशेषज्ञता के साथ मिलकर नए अवसर पैदा कर सकती हैं। चक्रवर्ती ने कहा कि 'इनोप्रैक्टिका' प्रौद्योगिकी मंच का उद्देश्य ऐसे क्षेत्रों की पहचान करना है, जहां भारत और रूस की क्षमताओं को एक साथ लाकर व्यावहारिक तकनीकी और औद्योगिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके। इससे भविष्य में ऐसे उत्पाद और समाधान भी विकसित हो सकते हैं, जिनका उपयोग दोनों देशों के बाहर के बाजारों में किया जा सके। तकनीकी साझेदारी को केवल तैयार उत्पादों के आयात या निर्यात के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों देशों को तकनीकों के अनुकूलन, संयुक्त विकास और व्यावसायीकरण पर ध्यान देना होगा।

चक्रवर्ती के अनुसार कंपनियों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप और सरकार समर्थित नवाचार मंचों को जोड़कर एक व्यवस्थित तकनीकी तंत्र तैयार किया जा सकता है। यह तंत्र नई तकनीकों की पहचान करने, उनके उपयोग की संभावनाओं को परखने और उन्हें व्यावसायिक स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी तकनीकों की पहचान कर रहे हैं और देख रहे हैं कि भारतीय और रूसी क्षमताएं एक-दूसरे की किस तरह पूरक बन सकती हैं। यदि कोई तकनीक भारत की किसी विशेष समस्या का समाधान कर सकती है तो हमें आवश्यक साझेदारों को एक साथ लाकर उस पर भारत में काम करने में सक्षम होना चाहिए।

चक्रवर्ती ने शैक्षणिक अनुसंधान को औद्योगिक जरूरतों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग संस्थानों के पास वैज्ञानिक ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और मानव संसाधन की बड़ी क्षमता है, लेकिन इस क्षमता को उद्योग और वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जोड़ने के लिए अधिक प्रभावी तंत्र विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संभावित सहयोग की व्यवहारिकता जांचने में प्रायोगिक परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इनके माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि किसी तकनीक को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप सफलतापूर्वक ढाला जा सकता है या नहीं और उससे विकसित उत्पाद अथवा समाधान के लिए बाजार उपलब्ध है या नहीं। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी केंद्र ऐसी तकनीकों की पहचान करने की दिशा में काम कर रहा है, जिन्हें भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जा सके। इसके साथ ही प्रायोगिक परियोजनाओं के माध्यम से उनके व्यावसायिक और व्यावहारिक उपयोग की संभावनाओं को प्रदर्शित करने का प्रयास किया जा रहा है। चक्रवर्ती ने भारत में निवेश, विनिर्माण और उत्पाद विकास के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि रूसी तकनीकों या तैयार उत्पादों के केवल आयात के बजाय भारतीय कंपनियों को तकनीक के विकास और स्थानीयकरण में भागीदार बनाया जाना चाहिए।

दलीप ट्रॉफी : वैभव सूर्यवंशी 92 रन पर आउट, तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके

एजेंसी, नई दिल्ली

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में इतिहास रचने से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए सूर्यवंशी 81 गेंदों में 92 रन बनाकर आउट हुए। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक लगाने वाले भारत के दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज बनने से महज आठ रन दूर रह गए। 15 साल और 157 दिन की उम्र में सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने का शानदार मौका था। तेंदुलकर ने 1988 में रणजी ट्रॉफी मुकाबले में 15 साल और 230 दिन की उम्र में अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया था। भारत के सबसे कम उम्र में प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले बल्लेबाज का रिकॉर्ड हालांकि अभी भी ध्रुव पांडोव के नाम है। उन्होंने 1988 में महज 14 साल और 293 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

सूर्यवंशी शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक नया रिकॉर्ड जरूर अपने नाम किया। वह दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी ने 81 गेंदों की अपनी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन 92 के स्कोर पर हर्ष दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने डीप मिडविकेट के ऊपर से गेंद को सीमा रेखा के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन वहां तैनात क्षेत्ररक्षक को कैच थमा बैठे। सूर्यवंशी के पास इस पारी के जरिए सचिन तेंदुलकर के करीब 38 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का मौका था, लेकिन वह शतक से आठ रन दूर रह गए।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं। उन्होंने अंतिम बार

एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फॉर्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है।

संन्यास के बाद भी धोनी की कमाई पर नहीं पड़ा है असर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिह घोनी खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। संन्यास के बाद धोनी की कमाई मुख्य रुप से विज्ञापन से हो रही है। वह कई बड़े ब्रांड से वह जुड़े हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी उन्हें पेशन मिलती है। धोनी के कई कारोबार भी है। वह खेती भी करते हैं। धोनी ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए कुल 90 टेस्ट मैच खेले हैं। बोर्ड की मौजूदा पेंशन व्यवस्था के

तहत, वे पूर्व पुरुष क्रिकेटर जिन्होंने 25 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। इस हिसाब से, धोनी भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें हर महीने बोर्ड से 70,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, उनकी कुल कमाई के विशाल आंकड़े के मुकाबले यह रकम काफी छोटी है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स से खेल रहे हैं। सीएसके ने 2026 सीज़न के लिए ने उन्हें 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसका मतलब है कि केवल आईपीएल अनुबंध से ही उन्हें एक सीज़न के लिए 4 करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि इस रकम को 12 महीनों के हिसाब से बांटा जाए, तो यह औसतन करीब 33.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठती है। हालांकि, यह केवल एक औसत है क्योंकि आईपीएल की रकम वास्तव में पूरे सत्र में एक बार ही मिलती है। इसके अलावा उन्हें मैच के हिसाब से फीस भी मिलती है।

महिला एशिया कप में पाकिस्तान से मुकाबले को लेकर बोले बोले कोच अमोल मजूमदार

एजेंसी, दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 5 सितंबर को एशिया कप में पाकिस्तान टीम से खेलना है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पाक के खिलाफ अपने जीत के रिकार्ड को बनाये रखना होगा। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। प्रशंसक भी इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाक से तनाव को देखते हुए पिछले कुछ टूर्नामेंटों से महिला टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी थी, अब देखना है कि एशिया कप में भी यही सिलसिला जारी रहता है या नहीं। वहीं इस मामले को लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि हम मैदान पर सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और मैदान के बाहर की चीजों पर अधिक ध्यान नहीं देते। हम उस दिन सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और जब हम वह मैच खेलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। उनके इस बयान से साफ होता है कि टीम का ध्यान बाहरी विवादों की जगह पर खेल में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा। भारतीय टीम के हालिया टी20 फॉर्मेट प्रदर्शन को लेकर उठ रहे सवालों पर भी मजूमदार ने जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले छह महीनों में टीम के प्रदर्शन को लेकर चर्चाएं रही हैं।

अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलना ही लक्ष्य : क्लासेन

एजेंसी, डर्बन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि वह अब संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्रॉफी जीतना है।

क्लासेन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, जिसके बाद वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय हैं। आईपीएल और द हंड्रेड के अलावा, वे एएस ए 20 में डरबन

सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं। आईएलटी20 में गल्फ जायंट्स के साथ पदार्पण करने वाले हैं और पहली यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में रॉटरडैम डॉकर्स का भी हिस्सा होंगे। दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में खेलने और खुद को प्रबंधित करने के बारे में क्लासेन ने बताया, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से मुझे इन प्रतियोगिताओं के बीच ब्रेक लेने की आजादी मिली है। इनमें से ज्यादातर प्रतियोगिताओं के बीच मुझे करीब एक महीने, डेढ़ महीने या दो महीने का समय मिल जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उन्हें खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से रीसेट करने, उन पहलुओं को समझने जिन पर काम करने की जरूरत है, और अगले टूर्नामेंट के लिए अपने शरीर को पूरी तरह से तैयार करने का पर्याप्त समय मिल जाता है।

बिजनेस

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल में उबाल, 90 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर नए हमलों की शुरुआत करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बन गया है। इस उछाल के कारण ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार चला गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। अमेरिका द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप में दो लॉन्चर्स पर हमला करने के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन में दो अमेरिकी बेस पर हमला कर दिया। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड ने 1.35 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 89.455 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग

शुरू होने के कुछ देर बाद ही इसकी कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई। तनाव की आशंका के कारण भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब ब्रेंट क्रूड 90.98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.69 डॉलर प्रति बैरल यानी 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.79 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की ट्रेडिंग आज 1.29 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 84.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से शुरू हुई। शुरुआत में ही कुछ देर के लिए यह फिसल कर 84.11 डॉलर प्रति बैरल तक आया। इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई और थोड़ी देर में ही यह उछल कर 85.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.33 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए नए हमलों का सिलसिला अगर जारी रहा तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उबाल आ सकता है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा कंट्रोल हासिल करने के लिए ही ईरान के द्वीप पर दो लॉन्चर्स पर हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने भी जॉर्डन के अमेरिकी बेस पर हमला कर साफ कर दिया है कि वो अमेरिकी हमलों के सामने सरेंडर नहीं करेगा। दोनों देशों के रवैये से साफ है कि पश्चिम एशिया के तनाव में अभी जल्दी कोई कमी आने की उम्मीद नहीं है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ये तनाव जारी रहा तो कच्चे तेल की कीमत में भी तेजी का रुख बना रह सकता है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे ऑयल इंपोर्टर देश की अर्थव्यवस्था पर निगेटिव इफेक्ट डाल सकती है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत का लंबे समय तक बना रहना भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट को बढ़ा सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को चेयरमैन नियुक्त किया

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। जिंदल की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के अलावा पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल में रहे हैं। कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार तथा स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है।

भारत-ब्राजील ने 2030 तक 30 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का रखा लक्ष्य

भारत ने दवा उत्पाद के निर्यात बढ़ाने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया है। राजधानी ब्रासीलिया में हुई 8वीं भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र (टीएमएम) की बैठक में दोनों ही देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब यूएस डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है।

ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक में भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करने वाले मजबूत संस्थागत ढांचे और रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव

राजेश अग्रवाल और ब्राजील की विदेश व्यापार सचिव तातियाना लैसर्दा प्राजेरेस ने की।

बैठक के दौरान भारत ने दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की है। दोनों पक्षों ने और अधिक विविध, संतुलित और निरंतर साझेदारी के माध्यम से विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और मशीनरी के क्षेत्र में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान वाणिज्य सचिव ने ब्राजील सरकार के विकास, उद्योग, वाणिज्य और सेवा मंत्री मार्सियो एलियास रोजा से भी मुलाकात की तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। वर्ष 2025 में भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार 0.84 अरब डॉलर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्ष कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,54,900

रुपये प्रति किलोग्राम स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से इन दोनों सूचकांकों पर लगातार दबाव बढ़ता चला गया। सुबह 10 बजे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत और निफ्टी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 133.78 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,130.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक उछल कर 77,177.27 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स लगातार लुढ़कता चला गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 386.49 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,878.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 58.10 अंक यानी 0.24 प्रतिशत फिसल कर 24,117.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

स्टॉक मार्केट में ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख इंटेग्रेटेड गोल्ड एंड सिल्वर प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट कंपनी ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 788 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 21.32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 956 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 21.95 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 961 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 1,019 रुपये के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 927.10 रुपये के स्तर पर आ गया। बाजार मे

लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:45 बजे ये शेयर 946.65 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 158.65 रुपये यानी 20.13 प्रतिशत का फायदा हो गया था। इस कंपनी का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 111.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 238.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 127.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 32.64 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 22.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,04,69,541 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 620 करोड़ रुपये के 78,68,020 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 205 करोड़ रुपये के 26,01,521 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

बढ़ते बच्चों के कपड़े खरीदते समय सिर्फ साइज नहीं, पेरेंट्स इन बातों पर भी दें ध्यान

बच्चे कब बड़े हो जाते हैं, पता ही नहीं चल पाता है। आज जो कपड़े उन्हें फिट होते हैं, कुछ ही समय में टाइट हो जाते हैं। ऐसे में ज्यादातर पेरेंट्स बच्चों के लिए कपड़े खरीदते समय सिर्फ साइज, डिजाइन और कलर पर भी ध्यान देते हैं। खासकर जब बात एक्टिव वियर की हो, जैसे ट्रैक पैंट, टी-शर्ट्स, जॉगर्स या आउटडोर प्ले के कपड़े, तब सिर्फ इनका दिखना ही काफी नहीं होता है। इसके अलावा लुक पर भी बच्चों का खास ध्यान होता है। अगर उन्हें पसंद नहीं आता है लुक, तो वे फिर कपड़े पहनने में आनाकानी करने लगते हैं। कपड़ों की फिटिंग, फैब्रिक की क्वालिटी और फ्लेक्सिबिलिटी काफी मायने रखती है और ज्यादातर पेरेंट्स बच्चों के लिए कपड़े खरीदने में इसी तरह की गलतियां कर देते हैं। आइए जानते हैं-

साइज पर ध्यान न देना

कई पेरेंट्स वही साइज खरीद लेते हैं जो बच्चे को उस समय बिल्कुल फिट आ रहा हो, लेकिन बच्चों की लंबाई और शरीर तेजी से ग्रो करती हैं। इसलिए कपड़े साइज में थोड़ी सी बड़ी खरीदें।

फैब्रिक की क्वालिटी नजरअंदाज करना

अक्सर लोग डिजाइन और रेट देखकर कपड़े खरीद लेते हैं, लेकिन कपड़े का फैब्रिक भी उतना ही जरूरी है। बच्चों को हमेशा सॉफ्ट, हल्के और कंफर्टेबल कपड़े ही खरीदकर दें। ऐसा फैब्रिक देखें जो मौसम के हिसाब से भी सही हों और उन्हें पहनने में भी आसानी हो। फैशन के चक्कर में कंफर्ट भूल जाना आजकल बाजार में बच्चों के लिए कई ट्रेंडी और स्टाइलिश कपड़े आने लगे हैं, लेकिन हर फैशनेबल कपड़ा बच्चों के लिए कंफर्टेबल हो, यह जरूरी नहीं है। इसलिए हमेशा लुक के साथ-साथ कंफर्ट का भी ख्याल रखें।

वॉशिंग इंस्ट्रक्शन न पढ़ना

कई लोग कपड़े खरीदते समय टैग पर लिखी जानकारी नहीं पढ़ते हैं। बाद में कपड़े जल्दी खराब होने लगते हैं। कलर फेड हो जाता है या उनका शेप बदल जाता है। इससे बच्चे लुक बिगड़ने के चक्कर में कपड़े नहीं पहनते हैं। इसलिए कपड़े खरीदने से पहले उनकी कलीनिग टिप्स पढ़ लें।

ब्रीदेबल फैब्रिक को न देखना

बच्चों के लिए ऐसे कपड़े खरीदें तो स्टाइलिश के साथ-साथ ब्रीदेबल भी हों। अगर इनका फैब्रिक बहुत हार्ड होगा, तो बच्चों को दिक्कत हो सकती है। इसलिए ये बात भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

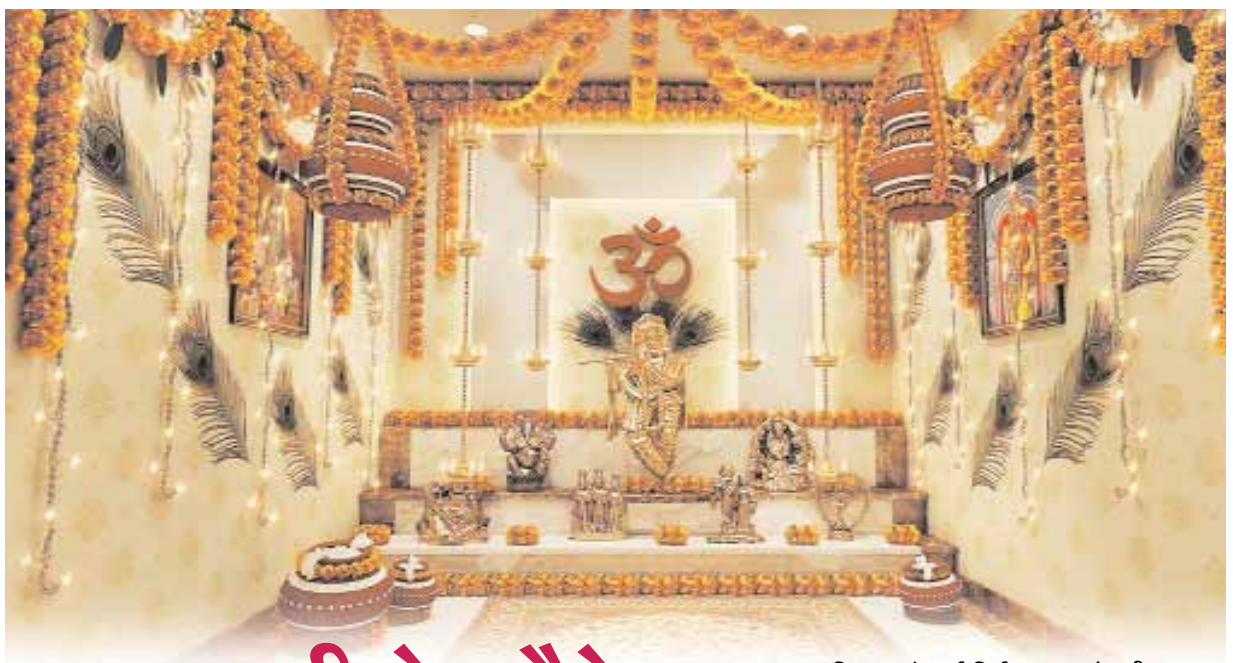

जन्माष्टमी के मौके पर घर की ऐसे करें सजावट

भगवान कृष्ण के जन्मदिन के मौके पर लड्डू गोपाल का मंदिर से लेकर घर को सजाने के लिए फूल की तोरण और कलरफुल साड़ी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

जन्माष्टमी का पर्व आने वाला है, इस दौरान लोग लड्डू गोपाल का जन्म को खास बनाने के लिए घर और मंदिर को सजाते हैं। इस पर्व को लोग कृष्ण जन्माष्टमी या गोकुलाष्टमी भी कहते हैं। यह पर्व श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस साल यह त्योहार 26 अगस्त को मनाया जाएगा। पूरे देश में इस त्योहार को अलग-अलग तरीके जैसे रास लीला, दही हांडी इत्यादि तरीके से सेलिब्रेट करते हैं। अगर आप इस मौके पर अपने घर को सजाने के लिए कुछ यूनिक आइडिया ढूंढ रही हैं,तो आप यहां से सजावट के तरीके देख सकती हैं।

गुब्बारे और फूल से सजाएं घर

लड्डू गोपाल का जन्मदिन मनाने के लिए आप घर को फूल और गुब्बारे से सजाएं। रंग बिरंगे गुब्बारों को घर की दीवारों, मंदिर के इर्द गिर्द लगाएं। साथ ही फूलों का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अलग-अलग रंग के फूल की माला बनाकर मुख्य द्वार पर लगाएं।

झालर लाइट का करें इस्तेमाल

भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण का जन्म के मौके पर आप अपने घर को मोमबत्ती, दीपक या झालरों लाइट्स का उपयोग कर सकती हैं। झालर लाइट को डोरी पर बांधकर छत से लटका सकती हैं। इसके अलावा मंदिर को सजाने के लिए इसके इर्द गिर्द झालर और दीपक रखें। लगा सकते हैं।

घर के मुख्य द्वार पर लगाएं झूला

कृष्ण जन्माष्टमी पर आप घर के बाहर भगवान का द्वार सजा सकती है। इसके लिए घर के बाहर के हिस्से पर लड्डू गोपाल के लिए झूला लगाकर उसे फूल और लाइट की मदद से सजाएं और झांकी बनाए।

रंगोली से सजाएं घर

हिंदू धर्म में रंगोली का खास महत्व है। इस मौके पर आप घर को रंगोली से सजा सकते हैं। इसके लिए आप अलग-अलग रंग और फूल का उपयोग कर सकती हैं। यह त्योहार की खुशी और घर सुंदरता को कई गुना बढ़ाने का काम करता है।

घर को सजाने में इन चीजों का करें इस्तेमाल

घर एक ऐसी जगह होती है, जहां हम खुद को सबसे ज्यादा सुकून में महसूस करते हैं। इसे सजाने का तरीका सिर्फ खुद की पसंद को ही नहीं दिखाता, बल्कि यह पड़ोसियों और मेहमानों पर भी गहरी छाप छोड़ता है। अगर आपके पास खड़ूस पड़ोसी हैं जो हमेशा शिकायत करते हैं, तो इन सजावटी आइटम का इस्तेमाल करके उन्हें भी वाहवाही करने पर मजबूर कर सकते हैं। आज हम आपको घर सजाने के कुछ अनोखे और क्रिएटिव आइडियाज बताने वाले हैं।

वॉल आर्ट

हैंडमेड वॉल आर्ट आप अपने घर के दिवारों पर लगा सकती है। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। साथ ही यह आपके घर की खूबसूरती को बढ़ाने में आपकी मदद भी करता है। ऐसे में आप चाहे तो खुद से घर पर आसानी से वॉल आर्ट बना सकते हैं।

हाउस प्लांट्स का जादू

हाउस प्लांट्स का जादू आपको घर को खूबसूरत बनाने में मदद कर सकता है। जी हां, आप चाहे तो हाउस प्लांट्स की मदद से भी अपने घर को खूबसूरत लुक दे सकते हैं। खूबसूरत गमले और छोटे-छोटे इनडोर प्लांट्स को लिविंग रूम या बालकनी में रखें।

फ्रेश फ्लावर्स

फ्रेश फ्लावर की मदद से भी आप चाहे तो अपने घर की सजावट कर सकती है। यह आपके घर को फर्श रखने में मदद करता है साथ ही आपके घर की खूबसूरती को भी बढ़ाता है। ऐसे में आप चाहे तो गुलाब या लीली का फूल अपने घर को सजाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है।

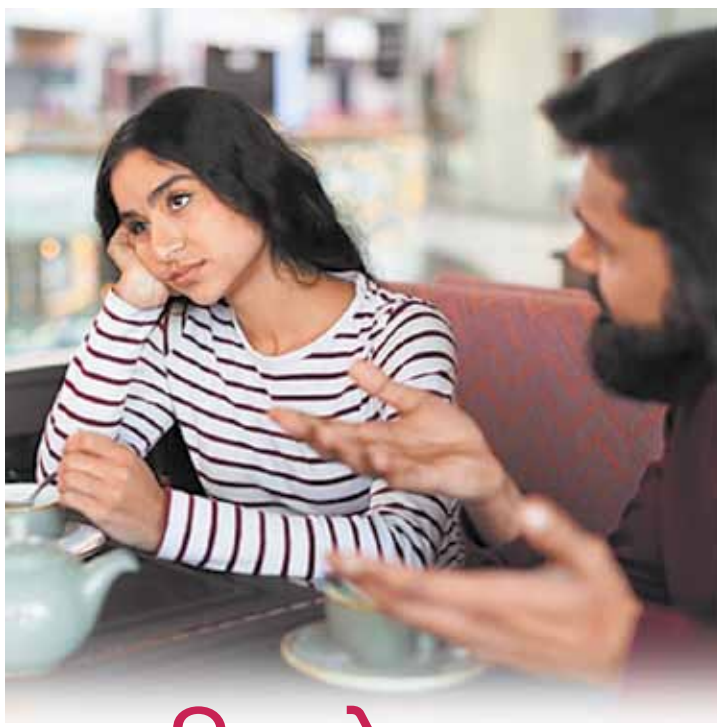

तुम फिर से भूल गए? आखिर महिलाओं की याददाश्त रिश्तों में इतनी शार्प क्यों होती है?

लड़कियों को रिलेशनशिप में पहली मुलाकात से लेकर प्रोपेज करने तक, सारी तारीखें याद रहती हैं। अक्सर जब उनके पार्टनर कोई खास डेट भूल जाते हैं, तो वो उनसे झगड़ा भी कर लेती हैं। चलिए जानते हैं कि आखिर महिलाओं की याददाश्त रिश्तों में इतनी शार्प क्यों होती है?

'आज के दिन हम पहली बार मिले थे', '10 जुलाई को ही तुमने मुझसे अपने दिल की बात कही थी'...महिलाओं को रिलेशन में इस तरह की बातें याद रहती हैं। अक्सर जब उनके पार्टनर ऐसी कोई स्पेशल तारीख भूल जाते हैं, तो वो नाराज भी हो जाती हैं और पहला सवाल यही करती हैं कि 'आखिर इतनी खास डेट तुम भूल कैसे सकते हो?' अगर आप रिलेशन में हैं, तो आपने इस बात को जरूर महसूस किया होगा कि बर्थडे से लेकर एनिवर्सरी तक, जितनी तारीखें आप याद रखती हैं, उतना आपके पार्टनर नहीं रख पाते हैं।

महिलाओं को रिलेशनशिप में क्यों ज्यादा याद रहती हैं तारीखें?

महिलाओं को रिश्ते में छोटी से छोटी तारीख और बात इसलिए याद रहती है क्योंकि ऐसी हर तारीख से उनका भावनात्मक रूप से जुड़ाव होता है। महिलाओं को छोटे-छोटे पलों को अपनी यादों में संजों कर रखा अच्छा लगता है और यही वजह है कि वो ऐसी हर तारीख को याद रख लेती हैं।

अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ मेडिसिन की एक रिसर्च में ये बात सामने आई थी कि महिलाएं चीजों को ज्यादा बेहतर तरीके से याद रख पाती हैं। महिलाओं के लिए रिश्ते इमोशनल लेवल पर काफी गहरे होते हैं और उनके पार्टनर और उनके रिश्ते से जुड़ी हर बात उनके लिए अहमियत रखती है। पुरुष कई बार रिश्तों को लॉजिकल और प्रैक्टिल तरीके से देखते हैं, इसलिए इमोशनल लेवल पर वो कई बार थोड़ा कम जुड़ पाते हैं। उनके लिए रिश्तों की जिम्मेदारियां इन तारीखों से ज्यादा मायने रखती हैं, जबकि महिलाएं जिम्मेदारियों को भी महत्व देती हैं और भावनाओं को भी।'

भावनाओं से होता है महिलाओं का गहरा जुड़ाव

कॉर्नेल के कॉलेज ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी की एक स्टडी में पाया गया था कि महिलाएं रिलेशनशिप में घटनाओं और बातों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाती हैं और उसे मन में इकट्ठा करलेती हैं। इसी वजह से जब वो किसी चीज को याद करने की कोशिश करती हैं, तो उनकी क्षमता पुरुषों से अधिक होती है। महिलाएं हर तारीख या छोटी-बड़ी बात से भावनात्मक तौर पर जुड़ती हैं और इसलिए वो तारीखें उनके लिए खास हो जाती हैं। सिर्फ तारीख ही नहीं, लड़ाई-झगड़े में पार्टनर की कही बातें भी उन्हें काफी हद तक याद रह जाती हैं।

जन्माष्टमी 2026 पर लड्डू गोपाल को लगाएं 5 फ्लेवर में धनिया पंजीरी का भोग

जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल के लिए भोग में धनिया पंजीरी जरूर बनाई जाती है। जन्माष्टमी की पूजा के बाद धनिया पंजीरी का प्रसाद बांटने की परंपरा है। इसकी खुशबू और स्वाद दोनों ही काफी अच्छे लगते हैं, लेकिन हर बार एक ही तरह की पंजीरी बनाना थोड़ा बोरिंग लग सकता है। ऐसे में अगर इस बार आप बाल गोपाल के लिए कुछ अलग बनाना चाहती हैं, तो धनिया पंजीरी को अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं।

इसमें बेस चीजें वही रहेंगी, लेकिन कुछ चीजें बदलकर इसका स्वाद अलग किया जा सकता है। आज हम आपको धनिया पंजीरी के 5 ऐसे फ्लेवर बता रहे हैं, जो आपके जन्माष्टमी के भोग को थोड़ा खास बना सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और इनके लिए बहुत ज्यादा झंझट भी नहीं करना पड़ेगा।

धनिया और नारियल वाली पंजीरी

अगर आपको नारियल का स्वाद पसंद है तो इस बार धनिया पंजीरी में सूखा नारियल मिला सकती हैं। इसके लिए धनिया पाउडर को धीमी आंच पर थोड़ा सा भून लें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि यह जले नहीं। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल या फिर गरी का बुरादा मिला दें। इसके बाद स्वाद के हिसाब से पिसी हुई चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर दें। आप चाहें तो इसमें थोड़े से कटे हुए काजू, बादाम और पिस्ता भी डाल सकती हैं। इससे नारियल पंजीरी में अलग स्वाद आएगा और इसकी खुशबू भी अच्छी लगेगी।

इलायची वाली धनिया पंजीरी

मीठा कुछ भी बनाओ उसमें इलायची की खुशबू अलग ही होती है। ऐसे में आप जन्माष्टमी के मौके पर धनिया पंजीरी को इलायची वाला फ्लेवर दे सकती हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले धनिया पाउडर को थोड़ा सा भून लें। इसके बाद इसमें पिसी हुई इलायची डाल दें। अब इसमें पिसी हुई चीनी मिलाकर अच्छी तरह चला लें। ध्यान रखें कि इलायची बहुत ज्यादा न डालें। अब थोड़े से कटे हुए बादाम डाल दें। इससे पंजीरी का स्वाद और अच्छा हो जाएगा।

मखाने वाली धनिया पंजीरी

कई घरों में मखाने वाली पंजीरी भी बनाई जाती है। कई लोग साबुत मखाना भूनकर डालते हैं, तो कुछ लोग मखाने को पीस कर मिक्स करते हैं। ऐसे में आप मखाने को कुरकुरा होने तक भून लें और फिर उन्हें दरदरा पीसकर धनिया की पंजीरी में मिला दें। इसके बाद पिसी हुई चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। मखाने से पंजीरी में क्रंच आता है। इसमें आप अपनी पसंद के हिसाब से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स भी मिला सकती हैं।

खसखस वाली धनिया पंजीरी

अगर आपको कोई रिच फ्लेवर चाहिए, तो इस बार खसखस वाली धनिया पंजीरी बना सकती हैं। इसके लिए धनिया पाउडर को भूनने के बाद अलग निकाल लें। अब उसी पैन में थोड़ी सी खसखस डालकर भून लें। इसे बहुत ज्यादा भूनने की जरूरत नहीं है। अब भुना हुआ धनिया पाउडर और खसखस एक साथ मिला लें। इसमें पिसी चीनी डालें और अच्छी तरह मिक्स कर दें। चाहें तो थोड़ा सा कटा हुआ बादाम भी मिला सकती हैं। इससे पंजीरी का स्वाद और टेक्सचर दोनों थोड़ा अलग हो जाएगा।

किशमिश वाली धनिया पंजीरी

अगर आप पंजीरी में थोड़ी मिठास के साथ सूखे मेवे का स्वाद चाहती हैं तो किशमिश वाला फ्लेवर भी ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले धनिया पाउडर को धीमी आंच पर थोड़ा सा भून लें। इसके बाद इसमें छोटी-छोटी कटी हुई किशमिश डालें। अब पिसी हुई चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। किशमिश डालते समय मात्रा का ध्यान रखें, क्योंकि ज्यादा किशमिश डालने से पंजीरी बहुत मीठी हो जाएगी।

हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है, 'अनुपमा' का किरदार भी कुछ ऐसा ही है

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, '''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।'' माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।'' 'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया।

मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माधुरी के इस नए सफर की जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया था कि माधुरी को 'कौन बनेगा करोड़पति' के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। उन्होंने शो के प्रोमो की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे हिंदी 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रीमियर एपिसोड के साथ जोड़े जाने की तैयारी थी। हिंदी 'केबीसी' को महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट करते हैं।

सलमान खान 'मॉन्स्टर' के लिए खुद करेंगे जोखिम भरे स्टंट्स

सलमान खान और नयनतारा की एक्शन फिल्म का नाम 'मॉन्स्टर' तय माना जा रहा है। अभी तक फिल्म को अस्थायी तौर पर 'SVC 63' के नाम से जाना जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक टाइटल की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सलमान की इस फिल्म को को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। इसी बीच सेट से खबर आई है कि सलमान के बॉडी डबल को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसके बावजूद शूटिंग की रफ्तार न थमे, इसलिए उन्होंने खुद ही जोखिम भरे स्टंट्स करने का फैसला लिया है। सलमान शूटिंग को लेकर बेहद गंभीर हैं और नहीं चाहते कि किसी भी वजह से काम अटक। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम में नए स्टंट एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया जा रहा है।

हेली शाह ने खुद में खोजा कॉमेडी का एक नया पहलू

टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आनेवाली हैं। हालांकि इस संदर्भ में हेली का मानना है कि इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए उत्साह के साथ-साथ घबराहट से भरा अनुभव भी था, लेकिन शो के राइटर-डाइरेक्टर आतिश कपाड़िया के विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, 'यह पहला मौक़ा है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे कर पाऊंगी। सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर भरोसा और विश्वास ही था कि मैं यह कर पाई। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।'

गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमेंआतिश कपाड़िया ने उनकी मदद की। इस सिलिसले में हेली कहती हैं 'उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को एक्सप्लोर करने में मदद की, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। मुझे सच में नहीं पता था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूं। और इसके लिए मैं सर की बहुत आभारी हूँ।'

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मित्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

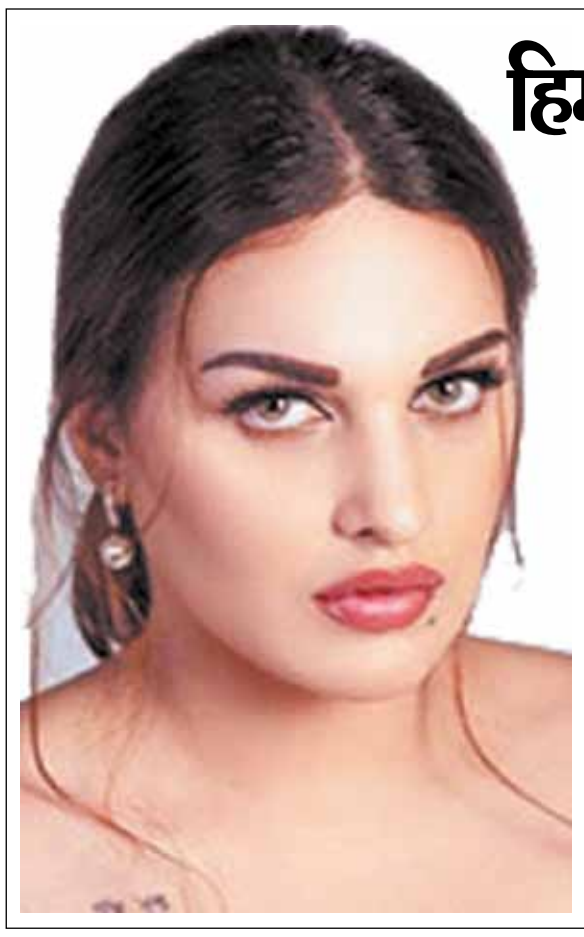

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा - मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया
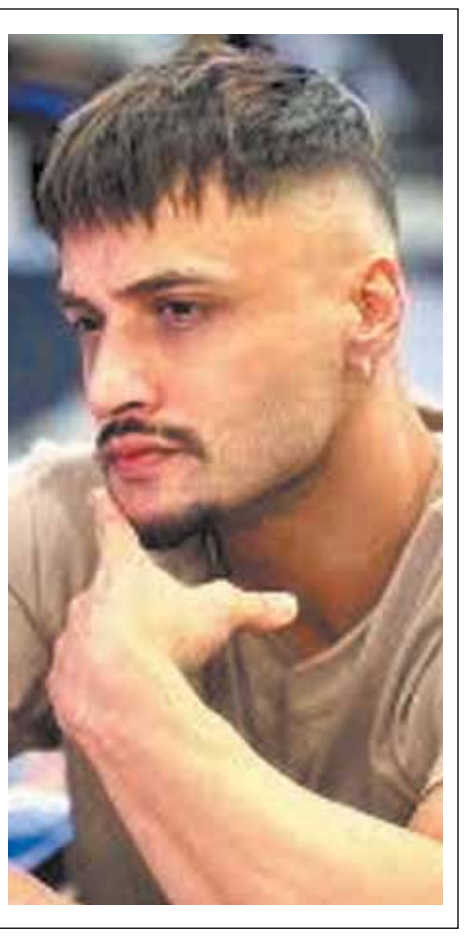
हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।' इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।